मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शनिवार, 13 दिसंबर 2025

संवत 2082, पौष कृष्णपक्ष 10 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 94 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ स्वास्थ्य के अधिकार की लड़ाई

सलमान खान ने खटखटाया दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा ◂◂ 6

नए साल में मुख्यमंत्री जायेंगे स्विट्जरलैंड दावोस में निवेश संभावनाओं पर करेंगे मंथन

यात्रा 19 से 25 जनवरी 2026 तक प्रस्तावित है

संवाददाता

रांची : झारखंड में वैश्विक निवेश को बढ़ावा देने और राज्य की औद्योगिक, खनन व पर्यटन संभावनाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जनवरी 2026 में स्विट्जरलैंड की यात्रा पर जाएंगे। मुख्यमंत्री के साथ उद्योग विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी विदेश दौरे पर रहेगा। यह यात्रा 19 से 25 जनवरी 2026 तक प्रस्तावित है।

15-16 अधिकारियों की टीम स्विट्जरलैंड रवाना होगीः यह कार्यक्रम भारत सरकार के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा होस्ट किया जा रहा है, जिसमें झारखंड को विशेष रूप से शामिल किया गया है। झारखंड से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित लगभग 15-16 अधिकारियों की टीम स्विट्जरलैंड रवाना होगी। प्रतिनिधिमंडल में मुख्य सचिव,

उद्योग सचिव, उद्योग निदेशक, जियाडा निदेशक समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहेंगे।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में होंगे शामिलः मुख्यमंत्री स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित होने वाली विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम) की वार्षिक बैठक में भाग लेंगे। यह झारखंड के लिए ऐतिहासिक अवसर होगा, क्योंकि राज्य पहली बार इस प्रतिष्ठित वैश्विक सम्मेलन में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएगा। दावोस सम्मेलन में दुनिया भर के प्रमुख निवेशक, उद्योगपति और कई राष्ट्राध्यक्ष भाग लेते हैं। इस वर्ष सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत अनेक वैश्विक नेता शामिल होंगे।

निवेश के विविध अवसरों को करेंगे प्रस्तुतिः उद्योग विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इस यात्रा के दौरान झारखंड की खनन संपदा, औद्योगिक ढांचा, पर्यटन और निवेश के विविध अवसरों को वैश्विक मंच पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य झारखंड को एक प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करना और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ सहयोग के नए रास्ते खोलना है।

दावोस के बाद प्रतिनिधिमंडल लंदन का भी दौरा करेगा। लंदन को निवेश, शिक्षा और पर्यटन का वैश्विक केंद्र माना जाता है। इस दौरान वहां बसे भारतीय प्रवासियों और निवेशकों से भी झारखंड में निवेश को लेकर चर्चा होने की संभावना है। सरकार का मानना है कि इस पहल से झारखंड की ब्रांड वैल्यू बढ़ेगी और राज्य में रोजगार व विकास के नए अवसर सृजित होंगे।

इलाहाबाद हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

पति से बेहतर जीवन जी रही पत्नी को नहीं मिलेगा गुजारा भत्ता

एजेंसी

प्रयागराज : इलाहाबाद हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यदि पत्नी पति से बेहतर जीवन यापन कर रही है, तो वह दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125 के तहत पति से गुजारा भत्ता मांगने की हकदार नहीं है। कोर्ट ने इसी आधार पर परिवार अदालत द्वारा पत्नी को पांच हजार रुपये मासिक गुजारा भत्ता देने के आदेश को रद कर दिया।

यह आदेश न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह ने गौतम बुद्ध नगर निवासी अंकित साहा की पुनरीक्षण याचिका पर सुनाया। परिवार अदालत ने पति की आमदनी और दोनों पक्षों के बीच आर्थिक संतुलन बनाए रखने के

उद्देश्य से पत्नी को पांच हजार रुपये प्रतिमाह गुजारा भत्ता देने का निर्देश दिया था।

हाई कोर्ट ने कहा कि पत्नी स्वच्छ हृदय से अदालत के समक्ष नहीं आई। उसने खुद को बेरोजगार और अनपढ़ बताया, जबकि रिकॉर्ड से स्पष्ट है कि वह पोस्ट ग्रेजुएट है और सीनियर सेल्स को-ऑर्डिनेटर के पद पर कार्यरत है। वह हर महीने करीब 36 हजार रुपये कमाती है। कोर्ट ने माना कि पत्नी ने गुजारा भत्ता प्राप्त करने के लिए तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया।

याची पति की ओर से दलील दी गई कि पत्नी ने परिवार अदालत, गौतमबुद्धनगर में खुद को बेरोजगार बताया था, जबकि वह पोस्ट ग्रेजुएट और वेब डिजाइनर है तथा नियमित रूप से वेतन प्राप्त कर रही है। सीआरपीसी की धारा 125 के तहत भरण-पोषण का अधिकार तभी मिलता है, जब पत्नी अपना भरण-पोषण करने में असमर्थ हो। इस मामले में पत्नी आर्थिक रूप से सक्षम पाई गई, इसलिए उसे गुजारा भत्ता देने का कोई आधार नहीं बनता।

रांची-गुमला रोड पर सड़क हादसा : स्कूल प्रिंसिपल की मौत, आक्रोशित भीड़ ने फूंका वाहन

रांचीः रांची-गुमला मुख्य मार्ग पर हुए एक भीषण सड़क हादसे में स्कूल के प्रिंसिपल की मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। गुस्साए ग्रामीणों ने बोलेरो वाहन में लगाई आगः बताया जा रहा है कि सकरौली स्कूल के प्रिंसिपल प्रेम कुजूर अपनी बाइक से जा रहे थे। इस दौरान तेज रफ्तार से आ रही एक बोलेरो गाड़ी ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी जिसमें प्रिंसिपल प्रेम कुजूर की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। स्कूल प्रिंसिपल की मौत से गुस्साए ग्रामीणों ने बोलेरो वाहन में आग लगा दी और रांची- गुमला मुख्य मार्ग पर आवागमन ठप कर दिया। हादसे के बाद इलाके में तनाव का माहौलः सूचना पर पुलिस और स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया।

न्यूज IN ब्रीफ

खूंटी के तीरंदाज झोंगो पाहन ने भारत को दिलाया स्वर्ण व रजत

खूंटीः एशियन यूथ पैरा गेम्स 2025, दुबई में खूंटी जिले के प्रतिभाशाली तीरंदाज झोंगो पाहन ने भारत का नाम रोशन करते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक और व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीतकर इतिहास रचा है।

उपायुक्त-सह-दंडाधिकारी आर. रॉनिटा ने झोंगो पाहन को हार्दिक बधाई देते हुए कहा, झोंगो पाहन ने न केवल जिला बल्कि पूरे देश का मान बढ़ाया है। स्वर्ण और रजत पदक जीतना उनके परिश्रम, समर्पण और खेल के प्रति जुनून का परिणाम है।

उन्होंने आगे कहा, यह सफलता जिले के अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है और खूंटी की खेल प्रतिभा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाती है।

खूंटी जिला प्रशासन ने झोंगो पाहन की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर पुनः हार्दिक बधाई दी है और भविष्य में भी उनके निरंतर प्रोत्साहन के लिए तत्पर रहने का आश्वासन दिया है। इस जीत के साथ, झोंगो पाहन ने भारतीय पैरा तीरंदाजी को नई ऊँचाई दी है और युवा खिलाड़ियों के लिए एक मिसाल कायम की है।

प्रखर शिक्षाविद् का यूं चले जाना अपूर्णीय क्षतिः सुमन सिंह

चतरा : जिले के सिमरिया प्रखंड क्षेत्र के बगरा पंचायत का तीन दशक तक मुखिया के पद पर रह चुके प्रखर शिक्षाविद् और समाजसेवी शिवमंगल बाबू का देवलोक गमन हो गया। इनके निधन पर भाजपा नेता और किसान मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुमन सिंह ने व्यक्तिगत रूप से क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति बताया। श्री सिंह ने दिवंगत पूर्व मुखिया जी को अपना गुरु बताते हुए कहा कि इनकी शिक्षा के क्षेत्र में एक अलग पहचान थी। इन्होंने हाई स्कूल बगरा मोड की स्थापना में महती योगदान दिया और पूरे जीवन काल में यह ध्यान रखा कि बच्चों को सही तौर पर शिक्षा मिले। उन्होंने कहा कि आपके पार्थिव शरीर को देखकर आत्मा और आंखें काफी नम है।क्योंकि आप हमारे एक गुरु के तौर पर भी जीवन में रहे हैं एक अभिभावक और एक रिश्तेदार भी। भगवान विष्णु से प्रार्थना करता हूं कि आपको श्री चरणों में स्थान दें। भाजपा नेता ने कहा कि बगरा भाजपा मंडल के वरिष्ठ नेता बड़े भाई नवीन सिंह एवं शिक्षा क्षेत्र में अधिकारी हमारे बड़े भाई प्रवीण सिंह के साथ-साथ पूरे परिवार को इस दुख को सहन करने की ईश्वर शक्ति प्रदान करें।

75 एकड़ में बना इको पार्क, लोकार्पण कल

चतरा : जिलेवासियों और आगंतुकों के लिए चतरा में करीब 75 एकड़ भूमि में आकर्षक आरोग्य वन पार्क बनकर तैयार है। पिछले एक वर्ष से चल रहे इको पार्क का निर्माण कार्य अब अंतिम चरण में है। स्थापना दिवस पर हुआ था ऑनलाइन उद्घाटन,कल होगा लोकार्पण : 15 नवंबर को राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा ऑनलाइन उद्घाटन करने के बाद 14 दिसंबर को चतरा सांसद कालीचरण सिंह, चतरा विधायक जनार्दन पासवान व सिमरिया विधायक उज्जवल दास सहित वन विभाग और जिले के उपायुक्त कृतिश्री व वरीय अधिकारियों की मौजूदगी में पार्क का लोकार्पण किया जायेगा। इसको लेकर पार्क परिसर में तैयारी जोरों पर की जा रही है। वहीं पार्क में आने वाले लोगों के लिए कैंटीन की व्यवस्था भी है।

रोज गार्डेन और एनिमल गार्डन होगा आकर्षण का केंद्रः डीएफओ मुकेश कुमार ने बताया कि इको पार्क के लोकार्पण को लेकर तैयारियां जोरों पर है। वन विभाग ने खाली पड़े भूमि को जन उपयोगी बनाने को लेकर इको पार्क का निर्माण कराया है। जिले के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि जिले में इस तरह का आकर्षक पार्क पहले नहीं था। उन्होंने बताया कि पार्क में आने वाले आगंतुकों के लिए 20 रुपए का शुल्क रखा गया है।

बसंत गुप्ता बने एसपी महिला कॉलेज के प्राचार्य

दुमका : सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय प्रशासन ने शुक्रवार को दो अंगीभूत कॉलेजों में प्राचार्य पद पर महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। जारी अधिसूचना के अनुसार विश्वविद्यालय ने बी.एस.के। कॉलेज, बरहरवा और एसपी महिला कॉलेज, दुमका के प्रभार में परिवर्तन किया है।

बी.एस.के। कॉलेज, बरहरवा के प्राचार्य रहे डॉ। बसंत कुमार गुप्ता को स्थानांतरित कर एसपी महिला कॉलेज, दुमका का प्राचार्य नियुक्त किया गया है। ज्ञात हो कि डॉ। गुप्ता हाल ही में विश्वविद्यालय के मानविकी संकाय के संकायाध्यक्ष भी बनाए गए थे। वे विश्वविद्यालय के एकमात्र जेपीएससी-नियुक्त प्राचार्य हैं।

वहीं बी.एस.के। कॉलेज, बरहरवा का प्रभार अब कॉलेज की ही बंगला विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ। कविता मंडल को सौंपा गया है। उन्हें प्रोफेसर-इन-चार्ज के रूप में अगले आदेश तक जिम्मेदारी निभाने का निर्देश दिया गया है। डॉ मंडल 2008 बैच की शिक्षिका हैं।

इसके अलावा, एसपी महिला कॉलेज दुमका के वर्तमान प्रोफेसर-इन-चार्ज डॉ। राकेश कुमार को प्रभार हस्तांतरित करने के निर्देश दिए गए हैं।

इन नियुक्तियों से संबंधित दो अलग-अलग अधिसूचनाएं विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ। राजीव रंजन शर्मा द्वारा कुलपति प्रो। कुनुल कंडिर के निर्देश पर शुक्रवार को जारी की गई हैं।

झारखंड में मतदाता सूची अपडेट का अभियान

मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के दौरान एक भी योग्य मतदाता नहीं छूटे : के. रवि कुमार

संवाददाता

रांची : झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि अन्य राज्य के वैसे मतदाता जिनका विगत मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण में झारखंड के मतदाता सूची में नाम नहीं था, वे अपना नाम संबंधित राज्य के विगत गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची से ढूंढकर अपने बीएलओ से संपर्क कर सकते हैं।

के. रवि कुमार ने कहा कि मतदाता विगत गहन पुनरीक्षण में अपना अथवा अपने परिजनों के नाम ढूंढने के लिए 1950 पर कॉल कर सहायता प्राप्त कर सकते है। उन्होंने कहा कि विगत गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के

ऑफिसियल वेबसाइट पर सर्चेबल फॉर्मेट में उपलब्ध है। कुमार ने निर्वाचन सदन से ऑनलाइन माध्यम से सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारी के साथ बैठक करते हुए कहा कि राज्य में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के पूर्व तैयारियों के क्रम में मतदाताओं का विगत गहन पुनरीक्षण के मतदाता सूची से वर्तमान मतदाता सूची की मैपिंग बीएलओ ऐप में की जा रही है। इस दौरान अन्य राज्य से आए मतदाताओं की मैपिंग मैनुअल रजिस्टर मेंटेन कर करें जिससे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के दौरान मतदाताओं को आसानी हो सके। गहन पुनरीक्षण के दौरान एक भी योग्य मतदाता छूटे नहीं इस बात को ध्यान में रखकर कार्य करना है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि पैरेंटल मैपिंग एवं एएसडी सूची बनाते समय भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बताए गए नियमों का अक्षरशः पालन करें। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा हर स्तर पर कार्यों के निरीक्षण की प्रक्रिया बनाई गई है, पदाधिकारी इसका अनुपालन करते हुए कार्य करें। कुमार ने पीपीटी के माध्यम से पदाधिकारियों को विगत एसआईआर से वर्तमान मतदाता सूची के मैपिंग में विभिन्न स्तर पर निरीक्षण के प्रमुख बिंदुओं के बारे में विस्तृत रूप से प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज कुमार ठाकुर, प्रियंका सिंह, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सहित ऑनलाइन माध्यम से सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारी, एचडीएम, कंप्यूटर ऑपरेटर उपस्थित थे।

तीन दुकानों में चोरी की कोशिश, किशोर संदिग्धों पर शक

संवाददाता

खूंटी : जिले के चाईबासा मुख्य मार्ग पर भगत सिंह चौक के समीप तीन दुकानों में चोरी की घटना को अंजाम देने की कोशिश की गई, जिसमें चोरों ने दो मोबाइल दुकानों और एक स्टेशनरी दुकान के ताले काट डाले। चोर रॉड और हेक्सा ब्लेड की मदद से ताले काटने में सफल रहे, लेकिन दुकानों के अंदर घुस नहीं सके और चोरी करने में नाकाम रहे।

एक दिन पहले भी चोरों ने खूंटी के एक होटल में चोरी की थी, जिससे यह माना जा रहा है कि यही चोर इस घटना के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। बम्बई वैराइटी में लगे सीसीटीवी कैमरे में चोरों की तस्वीर कैद हुई है,

जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि चोर महज 12 से 15 साल के किशोर हैं। इस घटना से खूंटी के दुकानदारों में डर का माहौल है। दुकानदारों का कहना है कि जब मुख्य मार्ग पर यह हालात हैं, तो साइड की दुकानों का तो भगवान ही मालिक है।

स्थानीय पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों की तलाश कर रही है।

ट्रक चालक ने दो ट्रेलरों में मारी टक्कर वाहन क्षतिग्रस्त, आवागमन बाधित

संवाददाता

रनिया : खूंटी-कोलेबिरा स्टेट हाईवे नंबर 3 पर रनिया थाना क्षेत्र के रायकेरा इलाके में शुक्रवार की दोपहर नशे में धुत एक ट्रक चालक ने दो ट्रेलरों को सीधा टक्कर मार दिया। तेज रफ्तार से आ रहे सीमेंट लदे 16 पहिया ट्रक ने लोहा लदे दो ट्रेलरों को जोरदार टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि सभी तीनों वाहन जो आपस ने जबरदस्त टकराए है वो उड़ीसा से पतरातू जा रहे थे । नशे में धूत ट्रक चालक ने पहले सड़क किनारे खड़े लोहा लदे ट्रेलर को टक्कर मारा इसके तुरंत बाद उसी ट्रक ने आगे चल रहे दूसरे लोहा लदे ट्रेलर को भी टक्कर मार दिया। टक्कर से दोनों ट्रेलरों को भारी क्षति पहुंची है। सड़क

किनारे खड़ा पहला ट्रेलर भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाने का प्रयास कर रही है ताकि आवागमन सुचारू किया जा सके। दुर्घटना के कारणों और नशे में वाहन चलाने के आरोप में सीमेंट ट्रक के चालक के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इस हादसे के बाद सड़क सुरक्षा और नशे में वाहन चलाने के खतरों पर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। पुलिस जांच के बाद आगे की कार्रवाई करेगी।

पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान

चतरा : हंटरगंज थाना पुलिस ने शुक्रवार को हंटरगंज थाना गेट के समीप चतरा पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया। हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार के नेत्तृत्व मे एंटी क्राइम एवं सड़क सुरक्षा को लेकर थाना गेट के पास दो पहिया वाहन, वाहन को रोक कर आवश्यक वाहनों की कागजात एवं डिक्की खुलवा कर डिग्गी की जांच की गई। वहीं हेलमेट नहीं पहनने वाले बाइक चालकों को फटकार लगाते हुए हेलमेट लगाकर सड़क पर चलने को निर्देश दिया गया वही आवश्यक चालान के लिए जिला परिवहन पदाधिकारी को भेजा गया। थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया कि सड़क सुरक्षा तथा एंटी क्राइम को लेकर लगातार वाहन चेकिंग अभियान चलता रहेगा। दो पहिया वाहन चलाने वाले सभी लोग हेलमेट पहने बिना हेलमेट के दो पहिया वाहन नहीं चलावें नहीं तो होगी कार्रवाई । वाहन चेकिंग अभियान से दोपहिया बाइक चलाने वाले इधर-उधर भागते दिखे तथा अपने रास्ता बदलकर लोग भागते दिखे। जांच अभियान चतरा पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार चलाया गया जो थाना क्षेत्र में कोई क्राइम और सड़क दुर्घटना की घटना ना हो वही वाहन जांच अभियान में एएसआई अजय कुमार महतो व पुलिस बल के जवान शामिल थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक

अवैध निर्माण पर रोक का निर्देश

संवाददाता

चतरा : समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में उपायुक्त कीर्तिश्री की अध्यक्षता में इटखोरी प्रखंड के महाने नदी तट पर कथित फर्जी बंदोबस्ती कर अवैध रूप से कराए जा रहे चाहरदीवारी निर्माण को रोकने संबंधी महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि फर्जी तरीके से की गई बंदोबस्ती की जांच कर उसे फॉर-एच के तहत तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाए, साथ ही जमाबंदी और रसीद निर्गमन पर रोक लगाई जाए। महाने नदी के तट पर किसी भी प्रकार के निर्माण कार्य को पूर्णतः प्रतिबंधित करने को भी कहा गया।अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त ने यह भी निर्देशित किया कि इस प्रकरण में जिन भी कर्मियों या पदाधिकारियों की संलिप्तता पाई जाएगी, उन पर

विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बताया गया कि मामला संज्ञान में आने के बाद उपायुक्त के निदेर्शानुसार एक जांच टीम का गठन किया गया था। प्राप्त जांच प्रतिवेदन के आधार पर ही आगे की कार्रवाई हेतु यह निर्णय लिया गया है।बैठक में अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम, अंचल अधिकारी इटखोरी सविता सिंह, अंचल के अमीन, संबंधित राजस्व उप-निरीक्षक सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।उपायुक्त ने कहा कि सरकारी भूमि एवं नदी तटों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, और अवैध कब्जे या अनियमित बंदोबस्ती के किसी भी प्रयास को कड़ाई से रोका जाएगा।

अज्ञात हाइवा की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल, एक गंभीर

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के चतरा-डोभी मुख्य पथ एनएच 22 नावाडीह स्थित ग्लोबल हार्डवेयर के पास हुए सड़क हादसे में दो युवक घायल हो गए। हादसा एक तेज रफ्तार अज्ञात हाइवा की टक्कर से हुआ। घायलों की पहचान थाना क्षेत्र के कुब्बा गांव निवासी रमेश पासवान के 18 वर्षीय पुत्र विक्की पासवान और कार्तिक ठाकुर के 24 वर्षीय पुत्र साजन ठाकुर के रूप में की गई है। बताया जाता है कि दोनों युवक अपने गांव से बिहार के डोभी थाना क्षेत्र में जाकर पानी टंकी बैठाने का काम करते थे, नित्य प्रतिदिन की तरह गुरुवार देर शाम भी कुब्बा गांव अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान नावाडीह में ग्लोबल हार्डवेयर के पास हाइवा ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

अदावा जमा निस्तारण को लेकर डीएफएस व आरबीआई का जागरूकता शिविर

संवाददाता

चतरा : वित्तीय सेवाएं विभाग भारत सरकार तथा भारतीय रिजर्व बैंक के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट सह प्रशिक्षण भवन हॉल चतरा में अदावा जमा (अनक्लेमड डिपोजिट) संबंधी जागरूकता एवं सहायता शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य जिले के उन लोगों तक सुविधाएँ पहुँचाना था, जिनके बैंक खातों में वर्षों से बिना दावा की राशि लंबित है या जिनका दावा निस्तारण समय पर नहीं हो पाया है। शिविर का उद्घाटन उपायुक्त ने किया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, बैंक ऑफ इंडिया हजारीबाग के आंचलिक प्रबंधक नरेंद्र कुमार, अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) अहसन अहमद, डीडीएम नाबार्ड, जेएसएलपीएस प्रतिनिधि तथा विभिन्न बैंकों के अधिकारियों ने भाग लिया। अधिकारियों ने उपस्थित लोगों को बचत एवं चालू खाते, सावधि जमा (एफडी), आवर्ती जमा

(आरडी) और लंबे समय से निष्क्रिय पड़े बैंक खातों से संबंधित अदावा जमा की खोज, आवश्यक दस्तावेजों एवं दावा प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही आरबीआई के उद्गम पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन खोज एवं दावा पंजीकरण की सरल प्रक्रिया का प्रदर्शन भी किया गया। उपायुक्त ने कहा कि डीएफएस और आरबीआई की यह संयुक्त पहल यह सुनिश्चित करने के लिए है कि बैंकों में वर्षों से लंबित जमा राशि सरल, सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से सही व्यक्ति तक पहुँचे। उन्होंने बताया कि शिविर में कई मामलों का तत्काल निस्तारण किया गया तथा शेष दावों को त्वरित कार्रवाई के लिए संबंधित बैंक शाखाओं को प्रेषित किया गया। जिले में अदावा जमा की वर्तमान स्थिति पर अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले के सभी बैंकों में कुल 92,430 खाते अदावा श्रेणी में दर्ज थे, जिनमें लगभग 34.20 करोड़ रुपये की राशि लंबित थी। बैंकिंग संस्थानों के निरंतर प्रयास से अबतक लगभग 3.32 करोड़ रुपये की अदावा राशि वास्तविक लाभुकों को वापस की जा चुकी है शिविर में वरिष्ठ नागरिकों, दिवंगत खाताधारकों के परिजनों तथा बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने पहुँचकर अदावा जमा की जानकारी प्राप्त की और प्रक्रिया का लाभ उठाया। अंत में आरबीआई के अधिकारियों ने अपील किया कि नागरिक समय-समय पर अपने बैंक खातों की स्थिति की जाँच करें तथा अदावा जमा की जानकारी के लिए उद्गम पोर्टल का नियमित उपयोग करें।

रांची में लैंडिंग के दौरान जमीन से टकराया इंडिगो विमान का पिछला हिस्सा

- तकनीकी खराबी के कारण कराई जा रही थी हार्ड लैंडिंग, 56 यात्री थे सवार

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब भुवनेश्वर से रांची आ रहे इंडिगो एयरलाइंस के विमान को हार्ड लैंडिंग करानी पड़ी। इस दौरान विमान क्षतिग्रस्त भी हो गया। विमान में 56 यात्री थे सवारः जानकारी के अनुसार, भुवनेश्वर से रांची आ रहे इंडिगो एयरलाइंस का विमान (संख्या 6ई-7361) अपने निर्धारित समय शाम 7।55 बजे की जगह 8।30 बजे बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर उतरा, लेकिन विमान को तकनीकी खराबी के कारण रनवे पर हार्ड लैंडिंग करनी पड़ी। इस दौरान विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकरा गया, जिसके बाद विमान क्षतिग्रस्त हो गया। विमान में 56 यात्री सवार थे। सभी 56 यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। हालांकि कहा जा रहा है कि कुछ यात्रियों को हल्की चोटें आई हैं।

लैंडिंग के दौरान जोरदार लगा झटका : बताया जा रहा है कि लैंडिंग के समय अचानक आई तकनीकी समस्या के कारण विमान को तेज झटके के साथ रनवे पर उतारा गया। इस दौरान यात्रियों में अफरातफरी मच गई, लेकिन पायलट की सूझबूझ से विमान को नियंत्रित कर एप्रन पर सुरक्षित रोक दिया गया। वहीं, घटना के बाद यात्रियों ने बताया कि लैंडिंग के दौरान जोरदार झटका लगा, जिससे कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बन गया।

रांची ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय जागरूकता बढ़ाने को लेकर व्यापक अभियान शुरू

रांची :ग्रामीण इलाकों में वित्तीय सशक्तिकरण को मजबूत बनाने के उद्देश्य से 100 से अधिक गाँवों में जागरूकता अभियान की शुरूआत की गई है, जिसमें नागरिकों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा बिना दावा किए गए जमा, पेंशन, बीमा राशि और म्यूचुअल फंड जैसी वित्तीय संपत्तियों की पहचान व दावा करने की जानकारी दी जाएगी। इस पहल को आगे बढ़ाने की ज़िम्मेदारी एसयूडी लाइफ ने ली है, जो सेमिनार, नुक्कड़ नाटक और विशेष अवेयरनेस वैन के माध्यम से संदेश समुदाय तक पहुँचा रही है। अधिकारियों ने अभियान को जन-हितैषी बताते हुए सराहा, वहीं कंपनी के एमडी और सीईओ अभय तिवारी ने कहा कि संस्था ग्रामीण परिवारों में जीवन बीमा और वित्तीय साक्षरता बढ़ाने के लिए निरंतर काम कर रही है।

यार्ड में चल रहे रिमॉडेलिंग कार्य को लेकर

रांची- सासाराम इंटरसिटी एक्सप्रेस के परिचालन में बदलाव

संवाददाता

रांची : यार्ड में चल रहे रिमॉडेलिंग कार्य की वजह से रांची और सासाराम के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को लगभग एक महीने तक अतिरिक्त सावधानी बरतनी होगी। दक्षिण-पूर्व रेलवे ने रांची-सासाराम इंटरसिटी एक्सप्रेस के संचालन में अस्थायी परिवर्तन किया हैं। तय अवधि में यह ट्रेन रांची स्टेशन तक नहीं जाएगी, बल्कि इसकी शुरूआत और समाप्ति पिस्का स्टेशन से ही होगी। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा पर निकलने से पहले ट्रेन के रूट और समय की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें, ताकि किसी तरह की असुविधा से बचा जा सके।

रेलवे द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसारः ट्रेन संख्या 18635 रांची-सासाराम इंटरसिटी एक्सप्रेस 23-27 दिसंबर, 29 दिसंबर से 3 जनवरी, और 5-7 जनवरी तक रांची की जगह पिस्का स्टेशन से प्रस्थान करेगी।

उपायुक्त ने खेलगांव की देखभाल को लेकर दिये कई निर्देश

संवाददाता

रांची : खेलगांव परिसर की सफाई, सुरक्षा और सुविधाओं की हालत जानने के लिए समाहरणालय में बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने की। बैठक में अपर जिला दंडाधिकारी राजेश्वरनाथ आलोक, जेएसएसपीएस के मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी एनके झा, जिला खेल पदाधिकारी शिवेंद्र कुमार सहित अन्य अधिकारी शामिल थे।

उपायुक्त ने कहा कि खेलगांव राज्य का बड़ा खेल परिसर है, इसलिए इसकी सही तरीके से देखभाल जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को कई निर्देश जारी किये। उपायुक्त ने यह भी कहा कि खेलगांव खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण देने के लिए बनाया गया है, इसलिए काम में पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखें। उपायुक्त ने स्टेडियम की नियमित सफाई , बिजली और पानी की व्यवस्था , खेल के मैदान और उपकरण अच्छी स्थिति में रहें, खराब उपकरणों को तुरंत ठीक या बदल दिया जाये, खिलाड़ियों को सुरक्षित और साफ वातावरण मिले, सुरक्षा व्यवस्था और प्रवेश नियंत्रण मजबूत हो व अन्य कई निर्देश दिये।

रांची नगर निगम की बैठकों में

शहर को साफ-सुथरा और अतिक्रमण मुक्त बनाने पर हुई चर्चा

संवाददाता

रांची : रांची नगर निगम में आज आज दो महत्वपूर्ण समीक्षा बैठकें हुईं। इन बैठकों में शहर को साफ-सुथरा और अतिक्रमण मुक्त बनाने को लेकर चर्चा की गयी। पहली बैठक इनफोर्समेंट शाखा की थी, जिसकी अध्यक्षता प्रशासक सुशांत गौरव ने की। दूसरी बैठक आरएफआईडी आधारित सफाई प्रणाली को मजबूत करने को लेकर हुई, जिसकी अध्यक्षता अपर प्रशासक संजय कुमार ने की रांची सिटी गाइड

इनफोर्समेंट बैठक में लिये गये निर्णय

इनफोर्समेंट की बैठक में प्रशासक ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि शहर के सभी इलाकों में रोजाना सख्ती से अभियान चलाया जाये। आदेश दिया कि किसी भी तरह की लापरवाही न हो। इस बैठक में उप प्रशासक गौतम प्रसाद साहू और इनफोर्समेंट टीम के सभी सदस्य मौजूद रहे।

ज्यादा जानें

हिंदी व्याकरण पुस्तकें
झारखंड संस्कृति अनुभव
झारखंड न्यूज अलर्ट
स्वास्थ्य और कल्याण गाइड
हिंदी भाषा शिक्षण
रांची फूड ब्लॉग
ऑनलाइन हिंदी समाचार
सदस्यता
रांची
क्षेत्रीय खाद्य उत्पाद
सुबह शाम डायरी।

जेएसएससी- सीजीएल के सफल अभ्यर्थियों का सर्टिफिकेट वेरिफिकेशन 16 से

संवाददाता

रांची : झारखंड सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2023 (जेएसएससी-सीजीएल) में उत्तीर्ण सहायक प्रशाखा पदाधिकारियों एवं कनीय सचिवालय सहायकों के प्रमाण पत्रों की जांच 16 दिसंबर से शुरू होगी। कार्मिक विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय,राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना।

नाम–जोन मिंज, उम्र–43 वर्ष, रंग–साँवला, ऊँचाई–05 फीट, 02 ईंच
पहनावा–किम रंग का स्वेटर, फुल शर्ट एवं खाकी रंग का पैंट पहने हुए है।

उपरोक्त लापता व्यक्ति जोन मिंज, उम्र–43 वर्ष, पिता–स्व0 निर्मल मिंज, ग्राम–लोयो, कटई टोली, थाना–माण्डर, जिला–राँची जो दिनांक–18.11.2025 को घर से बगैर बताए कहीं चले गए है जो आजतक अपने घर वापस नहीं आए है। जिनकी मानसिक स्थिति ठिक नहीं है। जिसके संबंध में माण्डर थाना सन्हा सं0–17/2025, दिनांक–20.11.2025 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता व्यक्ति कहीं मिलता/दिखता है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)
पुलिस उपाधीक्षक, खलारी, राँची। –9431742777
थाना प्रभारी माण्डर, राँची। –9431706168

वरीय पुलिस अधीक्षक,
राँची

PR 368410 Police(25-26).D

झारखंड शराब घोटाला : एसीबी ने प्लेसमेंट एजेंसी के निदेशक को अहमदाबाद से किया गिरफ्तार

संवाददाता

रांचीः झारखंड एसीबी ने शराब घोटाला मामले में प्लेसमेंट एजेंसी के निदेशक को गुजरात के अहमदाबाद से गिरफ्तार किया है। एसीबी ने मेसर्स मार्शन इनोवेटिव सिक्यूरिटी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक को शनिवार को गिरफ्तार किया है। इससे पहले एसीबी ने 14 अक्टूबर को मेसर्स विजन हॉस्पिटलिटी सर्विसेज एंड कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के तीन निदेशक को अहमदाबाद से गिरफ्तार किया गया था।

जानकारी के अनुसार, मेसर्स विजन हॉस्पिटलिटी सर्विसेज एंड कंसल्टेंट्स और मार्शन इनोवेटिव प्राइवेट लिमिटेड का चयन हजारीबाग, कोडरमा और चतरा में मानव संसाधन प्रदाता के तौर पर किया गया था। प्लेसमेंट एजेंसी ने 27 अगस्त 2023 को कंपनी के प्रतिनिधि नीरज कुमार के हस्ताक्षर से 5.35 करोड़ रुपये की फर्जी बैंक गारंटी जमा कराई। 28 दिसंबर 2023 को पुनः कंपनी के निदेशक महेश शिडके के हस्ताक्षर से बैंक गारंटी जमा कराई गई। कारण बताया गया कि आंतरिक बदलाव के कारण ऐसा किया गया है। एसीबी ने जांच में पाया कि नई बैंक गारंटी की जांच के लिए 10 जनवरी 2024 को पत्र लिखा गया। लेकिन किसी भी स्तर से उत्पाद विभाग या जेएसबीसीएल ने बैंक गारंटी की जांच नहीं कराई।

इसी बीच विक्रय के विरुद्ध अंतर राशि जमा नहीं करने पर नौ जनवरी 2025 को विभाग ने बैंक गारंटी जब्त करने का आदेश दिया। इसके बाद कंपनी जेएसबीसीएल के खिलाफ हाईकोर्ट चली गई। प्लेसमेंट एजेंसी द्वारा जारी की गई बैंक गारंटी 31 मार्च 2025 को खत्म होनी थी, जिसके बाद हाईकोर्ट ने प्लेसमेंट एजेंसी की बैंक गारंटी के अवधि विस्तार का आदेश पारित किया। तब विभाग ने बैंक गारंटी के सत्यापन के लिए दो अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की। जब बैंक जाकर दोनों अधिकारियों ने जांच की तो बैंक ने बताया कि बैंक ने न तो बैंक गारंटी निर्गत की है और ना ही लेटर हेड और सिग्नेचर स्टांप बैंक से संबंधित हैं। फर्जी बैंक गारंटी जमा करने को लेकर कंपनी को 8 अप्रैल 2025 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय, खूँटी।

(सर्वसाधारण के लिए सूचना)

कर्रा थाना अन्तर्गत ग्राम मुरहू स्थित कुलगुरू पहाड़ी के पास जंगल में दिनांक–02.12.25 को एक अज्ञात मृतिका महिला, उम्र–20–30 वर्ष का शव मिला है, जिसमें मृतिका का सिर एवं चेहरा पत्थर से कुचला हुआ एवं दाहिना हाथ बाँह से कटा हुआ नग्न अवस्था में शव बरामद किया गया है। उक्त अज्ञात मृतिका महिला का पता लगाने का काफी प्रयास किया गया, परन्तु कुछ पता नहीं चल पा रहा है। इस संबंध में कर्रा थाना काण्ड 96/25, दिनांक–02.12.25 धारा–103(1)/238 BNS 2023 दर्ज किया गया है।

अज्ञात मृतिका महिला की विवरणीः–

1. अज्ञात महिला, उम्र करीब–20–30 वर्ष।
2. रंग–साँवला।
3. पैर में काला रंग का मोजा पहना हुआ।
4. शरीर सामान्य, दाहिना हाथ बाँ में कटा हुआ।
5. लम्बाई–5 फीट।

अतः सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि अज्ञात मृतिका महिला, उम्र–20–30 वर्ष के शव के बारे में पता चलता है तो नीचे अंकित दूरभाष नं0 पर अविलंम्ब सूचित करेंगें।

पुलिस अधीक्षक, खूँटी – 9431706116
थाना प्रभारी, कर्रा – 9431706200
डी0सी0बी0, शाखा, खूँटी – 8340655295

ह0/–
पुलिस अधीक्षक, खूँटी।

PR 368408 (Police) 25-26 (D)

बर्फीली हवाओं के थपेड़ों से कांप रहा झारखंड, अभी और बढ़ेगी ठंड

संवाददाता

रांचीः झारखंड इस वक्त शीतलहर की चपेट में है। लगातार जिलों का तापमान गिरता जा रहा है। बर्फीली हवाओं ने लोगों की हालत खराब कर दी है। बताया जा रहा है कि जम्मू और शिमला से भी ज्यादा ठंड झारखंड में हो गई। तापमान 3 डिग्री तक जा सकता हैः झारखंड के कई जिलों में न्यूनतम तापमान अब 6 से 8 डिग्री के बीच पहुंच गया है। मौसम विभाग के मुताबिक आज मौसम में कोई अधिक बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। आज भी सुबह में घना कोहरा, दोपहर में खासी सनसनाती हवा देखने को मिलेगी। दोपहर में आसमान पूरी तरह साफ रहेगा, लेकिन शीतलहर से दोपहर में भी काफी सावधान रहने की जरूरत है। मौसम विभाग के मुताबिक रांची के कांके और धुर्वा के इलाके में न्यूनतम तापमान 3 डिग्री तक जा सकता है। आने वाले दिनों में और भी ठंडः पिछले 24 घंटे में गुमला ऑटोमेटेड स्टेशन पर न्यूनतम तापमान 4.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो इस समय राज्य का सबसे ठंडा स्थान है। डालटनगंज में अधिकतम तापमान 27.4 डिग्री रहा, जबकि न्यूनतम तापमान करीब 9 डिग्री दर्ज हुआ, जो सामान्य से लगभग पांच डिग्री कम है। जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 26.5 डिग्री और न्यूनतम 13 डिग्री के करीब रहा। बोकारो-थर्मल क्षेत्र में ठंड की सर्वाधिक मार दिखी, जहां न्यूनतम तापमान 8.1 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से 4.5 डिग्री कम है। वहीं, मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले दिनों में रात में ठंड और बढ़ सकती है।

भाजपा नेता के पुत्र के अन्नप्राशन में शामिल हुए नरेंद्र मोदी विचार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष

सिल्लीः रांची जिला ग्रामीण भाजपा के महामंत्री उमेश चंद्र महतो के पुत्र के अन्नप्राशन में नरेंद्र मोदी विचार मंच युवा शाखा के केंद्रीय अध्यक्ष सह सिल्ली विस पूर्व निर्दलीय प्रत्याशी धनपति शामिल हुए। श्री महतो ने बच्चे की उज्ज्वल भविष्य और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। मौके पर समाजसेवी राजू महतो मनीष महतो व अन्य उपस्थित थे।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

बाबरी मस्जिद के नाम पर मिलते करोड़ों के चंदे का नैरेटिव

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बाबर के नाम पर बन रही मस्जिद के लिए अब तक 2.4 करोड़ रुपए जुटाए जा चुके हैं। यह रकम केवल स्थानीय स्तर पर ही नहीं बल्कि देश-विदेश से भी आ रही है। यह तथ्य केवल आर्थिक दृष्टि से नहीं बल्कि सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से भी गंभीर सवाल खड़े करता है। बाबरी मस्जिद का मामला हमेशा संवेदनशील रहा है। अब उसी नाम और प्रतीक के माध्यम से फिर से व्यापक समर्थन जुटाया जा रहा है, यह संकेत देता है कि राजनीतिक इस्लाम अपने उद्देश्य में लगातार सक्रिय है। जिहाद, राजनीतिक इस्लाम की नींव है। यह सिद्धांत दुनिया को दो हिस्सों में बांटता है- मुस्लिम और गैर-मुस्लिम। इसी आधार पर दारुल-इस्लाम और दारुल-हरब की अवधारणाएँ बनीं, जहाँ मुस्लिमों और गैर-मुस्लिमों के लिए अलग शासन और नियम तय होते हैं। यही दोहरी नैतिकता राजनीतिक इस्लाम की पहचान है। कुरान, हदीस और सीरा- तीनों में इस दोहरी नैतिकता की बार-बार पुष्टि होती है। मुहम्मद ने कहा था कि ह्लसारी दुनिया केवल मुसलमानों के लिए है; तुम सुरक्षित रहोगे, अगर इस्लाम स्वीकार कर लोह्व (सहीह बुखारी, 4:53:392)। इसका मतलब यह नहीं कि केवल आस्था का प्रश्न है बल्कि यह राजनीतिक और वैचारिक नियंत्रण का संदेश है। गैर-मुस्लिम समुदाय की परंपराओं को शिर्क और बुतपरस्ती के रूप में देखा गया और उसे समाप्त करने के लिए जिहाद को आवश्यक बताया गया। जिहाद केवल हिंसा का नाम नहीं है। यह संघर्ष का व्यापक स्वरूप है। इसका उद्देश्य केवल हथियार उठाना नहीं बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और कानूनी ढांचे पर धीरे-धीरे नियंत्रण स्थापित करना भी है। उदाहरण के तौर पर- सड़क या सार्वजनिक स्थानों में नमाज, मंदिरों और धार्मिक आयोजनों पर आपत्ति, हलाल भोजन की मांग, शादी और पारिवारिक मामलों में धार्मिक दबाव, शरिया आधारित विवाद निपटान की मांग- ये सभी अहिंसक जिहाद के स्वरूप हैं। हिंसक और अहिंसक, सीधे और छल-कपट के माध्यम से जिहाद चलता रहता है। ाहीह बुखारी और कुरान के आंकड़े बताते हैं कि जिहाद का अधिकांश उल्लेख हथियारबंद संघर्ष से जुड़ा है। कुरान का नौवां अध्याय (अल-बारा) और आयतें 9:5, 9:29, 9:41, 9:73, 9:123- सभी स्पष्ट रूप से युद्ध के निर्देश देती हैं। यहां स्पष्ट रूप से दिखता है कि राजनीतिक इस्लाम का लक्ष्य केवल धर्मांतरण नहीं बल्कि नियंत्रण और सत्ता स्थापित करना है। इतिहास भी इस तथ्य की पुष्टि करता है। सिंध पर मुहम्मद बिन कासिम के आक्रमण से लेकर दिल्ली सल्तनत और मुगल साम्राज्य तक, भारत में जिहाद लगातार दिखाई देता है। बीसवीं सदी में मुस्लिम लीग के डायरेक्ट एक्शन और विभाजन की राजनीति में भी यही प्रवृत्ति रही। हिंसा, धमकी और दबाव- सभी जिहाद के औजार रहे हैं।

आज भारत में राजनीतिक इस्लाम केवल हिंसा या आतंकी गतिविधियों तक सीमित नहीं है। यह न्यायालयों पर दबाव, सार्वजनिक प्रदर्शन, धार्मिक मांगें, हलाल और शरीयत आधारित कानूनों की मांग, राष्ट्रीय प्रतीकों की अवमानना, शिक्षा और सामाजिक व्यवहार पर प्रभाव- सभी के माध्यम से भी सक्रिय है। यह एक दीर्घकालिक और सतत प्रक्रिया है जिसे केवल ह्लधार्मिक आस्थाह्व कहकर हल्के में नहीं लिया जा सकता। इतिहास और ग्रंथ-साक्ष्य से स्पष्ट है कि जिहाद की सफलता तीन स्तंभों पर आधारित रही- दोहरी नैतिकता, समर्पण की मांग और हिंसा या दबाव का निरंतर प्रयोग। मुहम्मद के समय व्यापारी कारवां पर हमले और लूटे गए माल का वितरण, अनुयायियों की संख्या बढ़ाने के लिए रणनीतिक उपाय थे। यह प्रक्रिया समय के साथ विकसित हुई और राजनीतिक इस्लाम की सफलता का आधार बनी।

वर्तमान में भारत में इस मुद्दे पर अकादमिक और सार्वजनिक विमर्श की कमी है। पाठ्यक्रमों में इस्लामी आक्रमणों, जनसंख्या परिवर्तन और सांस्कृतिक ध्वंस का कोई विस्तृत उल्लेख नहीं होता। इसका परिणाम यह है कि समाज असावधान रहता है और राजनीतिक इस्लाम की प्रक्रिया को समझने में असमर्थ रहता है। इसके अलावा, जब गैर-मुस्लिम समुदाय जिहाद पर चर्चा करने या उसका विश्लेषण करने से डरता है, तब राजनीतिक इस्लाम और अधिक सशक्त होता है। यह ह्यगलत व्याख्याह्व या ह्यअत्यधिक प्रचारह्व के बहाने इतिहास और सिद्धांत की वास्तविकताओं से आँखें मोड़ने जैसा है। भारत के संदर्भ में जिहाद केवल धार्मिक गतिविधि नहीं बल्कि व्यापक राजनीतिक और सामाजिक प्रक्रिया का हिस्सा है। बाबरी मस्जिद के नाम पर करोड़ों का चंदा, चाहे स्थानीय हो या अंतरराष्ट्रीय, इसका प्रतीक है। यह दशार्ता है कि धार्मिक प्रतीकों के माध्यम से राजनीतिक संदेश फैलाने की प्रक्रिया अब भी सक्रिय है। समाधान केवल सुरक्षा या कानूनी उपायों में नहीं है। समाज और नीति-निमार्ताओं को राजनीतिक इस्लाम, जिहाद के सिद्धांत, इतिहास और आधुनिक प्रक्रियाओं को समझना होगा। शिक्षण संस्थाओं में इतिहास और समाजशास्त्र के पाठ्यक्रम में इनका समावेश आवश्यक है। वास्तविकता को समझे बिना सुरक्षा और सामाजिक सामंजस्य बनाए रखना मुश्किल होगा। अंततः राजनीतिक इस्लाम और जिहाद को हल्के में लेना भारत के सामाजिक-राजनीतिक ताने-बाने के लिए खतरनाक हो सकता है। यह केवल धार्मिक भावनाओं का प्रश्न नहीं है बल्कि वैचारिक, राजनीतिक और वैश्विक रणनीति का हिस्सा है। इसलिए, अध्ययन, जागरूकता और सार्वजनिक विमर्श ही इस चुनौती का स्थायी समाधान हो सकता है।

स्वास्थ्य के अधिकार की लड़ाई

यह बहस तेज हो गई है कि क्या स्वास्थ्य को न्यायसंगत और लागू करने योग्य मौलिक अधिकार बनाया जा सकेगा। यह कानूनी के साथ-साथ राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक प्रश्न भी है। भारत में स्वास्थ्य का अधिकार अप्रत्यक्ष रूप से अनुच्छेद 21 के अंतर्गत न्यायालयों द्वारा मान्यता प्राप्त है, पर इसे अभी तक स्पष्ट रूप से स्वतंत्र मौलिक अधिकार नहीं बनाया गया है।

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में स्वास्थ्य सेवाओं का ढांचा और उसकी दिशा तेजी से बदल रही है। चिकित्सा, जो कभी सार्वजनिक दायित्व और कल्याणकारी राज्य की बुनियादी जिम्मेदारी माना जाता था, अब अधिकाधिक निजी क्षेत्र के हाथों में जाता दिख रहा है। एक ओर, सरकारी स्वास्थ्य ढांचा सीमित बजट, कम मानव संसाधन और कमजोर बुनियादी ढांचे से जूझ रहा है; दूसरी ओर, निजी अस्पतालों और कॉरपोरेट मेडिकल चेन की पहुंच और उसका प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। दोनों के बीच आम नागरिक, विशेषकर गरीब-ग्रामीण और हाशिए पर रहने वाले समुदाय, स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती लागत और असमान पहुंच के बोझ तले दब रहे हैं।

इसी बदलते परिदृश्य में, यह बहस तेज हो गई है कि क्या स्वास्थ्य को न्यायसंगत और लागू करने योग्य मौलिक अधिकार बनाया जा सकेगा। यह कानूनी के साथ-साथ राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक प्रश्न भी है। भारत में स्वास्थ्य का अधिकार अप्रत्यक्ष रूप से अनुच्छेद 21 के अंतर्गत न्यायालयों द्वारा मान्यता प्राप्त है, पर इसे अभी तक स्पष्ट रूप से स्वतंत्र मौलिक अधिकार नहीं बनाया गया है। इसका बड़ा कारण यह है कि राज्य अभी तक ऐसी बाध्यकारी जिम्मेदारी स्वीकार करने की स्थिति में नहीं है जिसमें हर नागरिक को समान, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सके। भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि देश विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है, परंतु स्वास्थ्य पर होने वाला सार्वजनिक व्यय आज भी दुनिया के सबसे कम आंकड़ों में शामिल है। जब राज्य स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पर्याप्त बजट नहीं देता, तब स्वाभाविक रूप से रिक्त स्थान निजी क्षेत्र भरता है और यहीं से उत्पन्न होती है अनियंत्रित शुल्क, अनावश्यक चिकित्सा प्रक्रियाएँ और आम व्यक्ति की आर्थिक तबाही। निजीकरण के विस्तार का दूसरा पहलू यह है कि यह केवल स्वास्थ्य सुविधाओं के संचालन तक सीमित नहीं है; यह स्वास्थ्य नीति, दवाओं की कीमतों, बीमा योजनाओं और सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) की दिशा को भी प्रभावित कर रहा है। जब स्वास्थ्य एक लाभ आधारित उद्योग में बदल जाता है तब उपचार की प्रकृति, लागत, पहुंच और गुणवत्ता सभी बाजार के नियमों के अधीन हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में स्वास्थ्य का अधिकार कागज पर तो हो सकता है पर धरातल पर वह व्यापक रूप से लागू नहीं हो पाता। एक और गंभीर समस्या है क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट, 2010 का कमजोर क्रियान्वयन। जिन राज्यों में यह लागू भी है, वहाँ भी नियमन और पारदर्शिता कमजोर हैं। मरीजों से मनमाना शुल्क, अनावश्यक जाँच की सलाह, महंगे पैकेज और अत्यधिक दरों पर सर्जरी जैसी शिकायतें आम हैं। यह स्थिति तब और जटिल हो जाती है जब मरीज की ओर से शिकायत या न्याय पाने की व्यवस्था कमजोर और अप्रभावी हो।

इसके साथ ही, भारत में आउट-ऑफ-पॉकेट एक्सपेंडिचर अभी भी कुल स्वास्थ्य व्यय का 40% के आसपास है। यानी मरीजों को अपनी जेब से भारी राशि खर्च करनी पड़ती है। आयुष्मान भारत जैसी सरकारी बीमा योजनाओं का उद्देश्य भले आर्थिक सुरक्षा देना हो, पर इनके दायरे में आने वाली प्रक्रियाएँ सीमित हैं और निजी अस्पतालों द्वारा इनका उपयोग कई बार मनमाने ढंग से किया जाता है। बीमा आधारित मॉडल ने स्वास्थ्य खर्च की समस्या को हल नहीं किया है बल्कि कई बार यह निजी क्षेत्र के लिए नया ग्राहक-स्रोत बन गया है। स्वास्थ्य अधिकार को न्यायिक रूप से लागू करना तभी संभव है जब स्वास्थ्य क्षेत्र का ढांचा मजबूत हो। इसके लिए सबसे पहले जरूरी है कि सरकार सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय को बढ़ाए। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार स्वास्थ्य पर जीडीपी का कम-से-कम 5% खर्च होना चाहिए; जबकि भारत अभी 2% से भी कम खर्च करता है। प्राथमिक स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत किए बिना, विशेषज्ञ डॉक्टरों, नर्सों और सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकताओं की संख्या बढ़ाए बिना, दवाओं और जांचों को सस्ता किए बिना और स्वास्थ्य संस्थानों में जवाबदेही मजबूत किए बिना, इस अधिकार को प्रभावी ढंग से लागू किए जाने की कोशिशें बेमानी होगी।

दवाओं की ऊँची कीमतें और दवा कंपनियों का प्रभाव, इसमें कोढ़ में खाज जैसी स्थिति पैदा करता है। लगभग 80% दवाएँ अभी भी मूल्य नियंत्रण से बाहर हैं। जब तक आवश्यक दवाओं पर सख्त मूल्य नियंत्रण नहीं होगा तथा जन औषधि प्रणाली का विस्तार नहीं होगा, गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार महंगी दवाओं के भार तले दबते रहेंगे।

साथ ही, स्वास्थ्य कर्मियों की स्थितियाँ भी इस संकट का एक महत्वपूर्ण पक्ष हैं। अस्थायी नियुक्तियाँ, कम वेतन, कार्यभार का दबाव- ये सभी कारक चिकित्सा सेवा की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा तभी संभव है जब सरकार मानव संसाधन में उचित निवेश करे।उ स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार लंबी अवधि का कार्य है; परंतु इसकी शुरूआत तत्काल बजट बढ़ाने, निजी अस्पतालों को सख्त नियामक दायरे में लाने, दवाओं की कीमतें नियंत्रित करने तथा प्राथमिक स्वास्थ्य ढाँचे को मजबूत करने से हो सकती है। यह मजबूत स्वस्थ ढांचा की नींव रखेगा। यह स्वीकार करना चाहिए कि स्वास्थ्य केवल आर्थिक विकास का फल नहीं, मानव गरिमा की बुनियाद है। जब तक इस बुनियाद को समान रूप से मजबूत नहीं किया जाएगा, स्वास्थ्य का अधिकार कागज पर तो रहेगा पर जनता के जीवन में नहीं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ऊर्जा-संकट से बचने लिए जरूरी है ऊर्जा संरक्षण

ऊर्जा के नए-नए स्रोत खोजे जाते रहे हैं जो आणविक ऊर्जा तक पहुँचे हैं। ईंधन से भोजन बनाने में ही नहीं उसके लिए प्रयोग में आने वाली सामग्री हम तक पहुचे इसके लिए हर कदम पर जरूरी मशीन, उर्वरक, पानी सबके लिए अलग-अलग तरह से ऊर्जा की जरूरत पड़ती है। ऐसे ही परिवहन, मौसम से सुरक्षा और वस्तुओं के निर्माण के लिए भी ऊर्जा की जरूरत पड़ती है।

गिरीश्वर मिश्र

ऊर्जा के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। भौतिक नियम बताता है कि ऊर्जा न पैदा की सकती है न समाप्त; उसका सिर्फ.रूपांतरण ही होता है। मानव जीवन की सारी गतिविधियाँ इस मायावी ऊर्जा पर ही टिकी हुई हैं। ऊर्जा ही अपना रूप बदल-बदल कर हमारी कल्पनाओं को साकार करती है। सामान्यतः अदृश्य-सी रहने वाली ऊर्जा हमारे दृश्य जगत को रचते हुए हर जगह हावी है। ऊर्जा के नए-नए स्रोत खोजे जाते रहे हैं जो आणविक ऊर्जा तक पहुँचे हैं। ईंधन से भोजन बनाने में ही नहीं उसके लिए प्रयोग में आने वाली सामग्री हम तक पहुचे इसके लिए हर कदम पर जरूरी मशीन, उर्वरक, पानी सबके लिए अलग-अलग तरह से ऊर्जा की जरूरत पड़ती है। ऐसे ही परिवहन, मौसम से सुरक्षा और वस्तुओं के निर्माण के लिए भी ऊर्जा आवश्यक है। दरअसल, आधुनिक जीवन शैली, पारिस्थितिकी, प्रदूषण और ऊर्जा के उपयोग के प्रश्न आपस में बुरी तरह से गुँथे हुए हैं। विकास के साथ प्रति व्यक्ति ऊर्जा की माँग बढ़ रही है। समृद्ध देशों में जीवन स्तर को उन्नत रखने के लिए अधिकाधिक ऊर्जा चाहिए, उभरते देशों में कृषि अर्थ व्यवस्था से औद्योगिक व्यवस्था की तरफ आगे बढ़ने में भी ऊर्जा चाहिए। परंतु यह भी जरूरी है कि उन 80 प्रतिशत लोगों के साथ मिल कर काम किया जाय जिनके पास केवल एक चौथाई संपत्ति है। ऊर्जा की समस्या वैज्ञानिक, तकनीकी, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक कई जटिल समस्याओं का परस्पर गुँथा समूह है। भारतवर्ष की विशालकाय जनसंख्या और आर्थिक गतिविधि में तेजी के कारण यहाँ ऊर्जा की माँग निरंतर बढ़ती जा रही है। आज भारत विश्व में ऊर्जा की खपत की दृष्टि से तीसरे स्थान पर है। परंतु हमारा बुनियादी ढांचा कमजोर पड़ रहा है जिसके चलते बिजली आपूर्ति में बड़ी बाधा पहुँचती है और उसका दुरुपयोग भी होता है। साथ ही देश में ऊर्जा की गरीबी भी बनी हुई है। दुर्बल वर्ग के लोगों को बिजली और अन्य आधुनिक ऊर्जा के संसाधन अभी भी उपलब्ध नहीं हो सके हैं। यह भी गौरतलब है कि जीवाश्म ऊर्जा (फॉसिल फ्यूल) के अत्यधिक उपयोग से कार्बन उत्सर्जन की मात्रा भी तेजी से बढ़ रही है। इसका पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव है और वह खतरनाक साबित हो रहा है। भारत की ऊर्जा मुख्यतया जीवाश्म ईंधन यानी कोयला, तेल तथा गैस आदि से उपलब्ध होती है। आज देश में बिजली उत्पादन का 70 प्रतिशत कोयले पर टिका है। आयात और घरेलू आपूर्ति में कमी के चलते यह अब बड़ा मंहगा पड़ रहा है। इस पर निर्भरता, ऊर्जा की बढ़ती मांग, अन्य देशों पर निर्भरता, पुराने कि स्म का ढाँचा और नवीकरण की संभावना वाले ऊर्जा स्रोतों को अपनाने में धीमी गति ने देश के सामने मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। इनसे ऊर्जा-सुरक्षा, विकास के टिकाऊपन और पर्यावरण प्रदूषण से जुड़ी समस्याएं जन्म ले रही हैं। सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा में निवेश तो बढ़ा है फिर भी कच्चे तेल और कोयले के आयात के कारण आर्थिक दबाव बहुत ज्यादा बना हुआ है। आज आवश्यकता है कि नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार हो और ऊर्जा का कुशलतापूर्वक उपयोग किया जाय। देश को अपने संसाधनों की खोज बढ़ानी होगी ताकि ऊर्जा की दृष्टि से आत्मनिर्भरता का लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। बिजली के ट्रांसमिशन और वितरण के नेटवर्क को अविलंब सुधारना होगा ताकि ऊर्जा चोरी और दुरुपयोग की रोकथाम हो सके। विशेषज्ञों के अनुसार वैश्विक स्तर पर ऊर्जा समस्या अगले सौ वर्षों में मानवता की शीर्ष दस समस्याओं में से एक गंभीर समस्या बनेगी। वह मानवता के सम्मुख खड़ी समस्याओं में विकटतम हो रही है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि पिछले खाड़ी युद्धों और सद्यः चल रहे युद्ध की पृष्ठभूमि में ऊर्जा का प्रश्न भी मौजूद है। बढ़ती जनसंख्या से ऊर्जा की जरूरतें निरंतर बढ़ रही है। नवीकरणीय ऊर्जा समस्या से निपटने की एक अच्छी युक्ति है। सौर ऊर्जा मानव जाति की सभी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त भी है। इस विशाल ऊर्जा स्रोत का दोहन एक समाधान है। ऊर्जा संरक्षण के प्रश्न पर विचार करते हुए कम खचीर्ले और प्रदूषणमुक्त ऊर्जा स्रोतों की खोज जारी है। हाइड्रोजन आधारित ऊर्जा के उपयोग की दिशा में प्रगति हुई है।

ऊर्जा संकट का एक व्यवहारिक पक्ष भी है। इस संकट का समाधान ऊर्जा-संरक्षण के लिए जरूरी अभ्यास की अपेक्षा करता है। आदतों में बदलाव द्वारा ऊर्जा के उपभोग में कमी लाकर ऊर्जा के दुरुपयोग को नियंत्रित और कम किया जा सकता है। इस दृष्टि से विभिन्न कार्यों के लिए कम ऊर्जा की खपत वाली ऊर्जा-सक्षम तकनीकों का अवलंबन भी कारगार साबित होगा। ऐसे कदम उठाने का पर्यावरणीय लाभ भी मिलेगा। ग्रीन हाउस गैस के उत्पादन पर नियंत्रण होगा और दूसरे प्रदूषकों, जो जलवायु-परिवर्तन को तीव्र करते हैं और प्राकृतिक आवास का क्षरण करते हैं उनसे रक्षा भी होगी। इससे घर या व्यापार हर क्षेत्र में खर्चे में कमी आएगी। ऊर्जा संरक्षण के लिए संसाधन-प्रबंधन की सख्त जरूरत है। हमें वर्तमान ऊर्जा-संसाधनों का विस्तार करना होगा और ऊर्जा-सुरक्षा को सुनिश्चित करना होगा। इन सब उपायों से आयातित ऊर्जा पर हमारी निर्भरता घट सकेगी। वस्तुतः ऊर्जा-संरक्षण का लक्ष्य अपने व्यवहार-बर्ताव में बदलाव तथा विभिन्न क्षेत्रों में तकनीकी के विकास द्वारा पाया जा सकता है। उदाहरण के लिए घर में बिजली का उपयोग अपनी आवश्यकता के अनुसार किया जाना चाहिए। कमरे से बाहर जाते समय ध्यान से स्विच ऑफ कर देने की आदत बिजली बिल में बड़ी बचत ला सकता है। प्राकृतिक प्रकाश का अधिकाधिक उपयोग करना भी प्रभावी उपाय है। ऊर्जा की किफायत वाले एलएडी बल्ब लगाने से लगभग 75 प्रतिशत ऊर्जा की बचत होती है। इसी तरह विभिन्न उपकरणों के उपयोग के तरीकों को भी सुधारना होगा। जब उपकरण को उपयोग में न ला रहे हों तो अनप्लग कर देना, स्वचालित ऑफ होने की व्यवस्था रखना बहुत लाभकर होता है। हीटिंग और कूलिंग के लिए प्रोग्राम वाली थर्मोस्टेट की व्यवस्था महत्वपूर्ण होती है। आज यातायात में भी ऊर्जा की बड़ी खपत होती है। इसलिए कोशिश की जानी चाहिए कि कम से कम ड्राइव करें। इसकी जगह पैदल चलना, साइकिल का उपयोग, परिवहन के जन-माध्यम (जैसे- बस, ट्रेन, मेट्रो आदि) का उपयोग बड़ी कारगार पहल हो सकती है। निजी वाहनों का कम से कम उपयोग किया जाना चाहिए। इससे सड़कों पर वाहनों की अतिरिक्त भीड़ जिससे जाम लगता है और प्रदूषण होता है घटेगी। वाहन को अनावश्यक तेज या कम गति से नहीं चलाना चाहिए। इसी दृष्टि से हाइब्रिड, बिजली का वाहन या वह जो कम ईंधन की खपत करता हो आ रहे हैं और लोकप्रिय भी हो रहे हैं। व्यापार-व्यवसाय का नियमित ऊर्जा आडिट किया जाना चाहिए ताकि ऊर्जा के दुरुपयोग का ठीक से पता चल सके और ऊर्जा-सक्षम उपकरणों का उपयोग सुझाया जा सके। उपकरणों को अपग्रेड करना तथा ऐसी प्रणाली लागू करना जो अपशिष्ट औद्योगिक ऊर्जा का उपयोग कर सके लाभकर सिद्ध होगा। आज जान बूझकर ऊर्जा का कम-से-कम उपयोग करने को प्रोत्साहित करने की जरूरत है ताकि खर्च में कमी हो, अपशिष्ट कम पैदा हो, पर्यावरण की रक्षा हो और भविष्य के लिए ऊर्जा-सुरक्षा भी हो सके। कम-से-कम ऊर्जा सेवाओं का लाभ लेना और ऊर्जा का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए हरित अभियांत्रिकी के तौर-तरीके अपनाने होंगे। ऊर्जा का उत्पादन और उपयोग एक बहुआयामी प्रश्न है जिसके साथ राजनैतिक मुद्दे, तकनीकी विकास, आर्थिक प्रगति, पर्यावरण के सरोकार महत्वपूर्ण रूप से जुड़े हुए हैं। साथ ही उपभोक्ता व्यवहार जटिल होता है और व्यक्तित्व, सामाजिक मानक, ऊर्जा-संरक्षण के प्रति अभिवृत्ति, आरामदायक जीवन शैली की पसंद, ऊर्जा-सुरक्षा की चेतना, पर्यावरण के प्रति मैत्री आदि पर निर्भर करता है। ऊर्जाक्षम प्रणालियों को अपनाने और विवेकपूर्ण ऊर्जा का उपयोग द्वारा ही ऊर्जा संरक्षण संभव है। उपभोक्ता व्यवहार को बदल कर ही दीर्घकालिक और स्थायी समाधान मिल सकेगा।

भारत के इस प्रतिष्ठित मंदिर में प्रसाद के तौर पर चाऊमीन और मोमोज मिलता

भारत में ऐसे कई अनोख, चमत्कारी और रहस्यमयी मंदिर काफी देखने मिल जाएंगे। देश में कई ऐसे फेमस मंदिर है, जो अलग मान्यताएं और अद्भुत कहानियों के लिए जानी जाती हैं। इस आर्टिकल में हम आपको जिस मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, देवी काली का मंदिर हैं। मां काली के इस मंदिर में प्रसाद में फल, मेवे, मिठाई, लड्डू नहीं चढ़ाएं जाते, बल्कि लोग मोमोज या चाऊमीन मां को चढ़ाते हैं। फिर यही प्रसाद के रुप में सबको बांटा जाता है। आइए आपको बताते हैं कहां पर स्थित है ये मंदिर और क्यों बांटा जाता ये प्रसाद।

अनोखी शक्ति है, जो भक्तों की हर मनोकामना पूरी करती है।

कहां है ये मंदिर

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में स्थित है मां काली का मंदिर। ये मंदिर तांग्रा क्षेत्र में बना हुआ है, इस जगह को लोग चाइना टाउन के नाम से भी जानते हैं। यहां आने वाला हर एक इंसान इस मंदिर का दर्शन जरुर करता है और प्रसाद भी लेता है। मान्यता है कि इस मंदिर में

मंदिर से जुड़ी कहानी

इस मंदिर से जुड़ी एक कहानी है। कहते है कि सालों पहले इस क्षेत्र में एक बच्चा बीमार हो गया और डॉक्टर ने जवाब दे दिया था। जिसके बाद बच्चे के माता-पिता ने उम्मीद नहीं छोड़ी। इस स्थान पर पहले एक पेड़ के नीचे दो काले पत्थर रखकर मां काली की पूजा की होती थी। बच्चे के घरवालों ने उसको इसी स्थान पर लेटाया और कहा कि अगर ये ठीक हो गया तो मंदिर बनवा देंगे। उसी दौरान मां काली का चमत्कार हुआ और बच्चा उठ खड़ा हुआ। तब से मां काली की पूजा यहां पर की जाती है और उनका मंदिर बना है। इस मंदिर के बाहर चाइनीज में मां काली लिखा हुआ है।

चाऊमीन-मोमोज का प्रसाद मिलता है

कहा जाता है कि सिविल वॉर के दौरान चाइनीज तांग्रा क्षेत्र में रहने के लिए आए हुए थे। उस समय उन्होंने मां काली की पूजा की और जो उन्हें सबसे ज्यादा खाना पसंद है, वही मां को भेंट स्वरुप चढ़ाया है। उसी दिन से मां काली के इस मंदिर में मोमोज, फ्राइड राइस, चाऊमीन में प्रसाद में मिलता है। इस मंदिर में हिंदू और चाइनीज दोनों ही पूजा करने आते हैं और अगरबत्ती जलाते हैं। तो आप इस मंदिर के दर्शन करने और प्रसाद खाने के लिए जा सकते हैं।

टिप्स

हद से ज्यादा पानी पीना सेहत के लिए हो सकता है नुकसानदायक

हम सभी यह सुनते हैं कि खूब सारा पानी पीना चाहिए। क्योंकि पानी हमारे शरीर को हाइड्रेट रखता है, थकान को दूर करता है और बॉडी को नेचुरली डिटॉक्स करने में सहायता करता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जरूरत से ज्यादा पानी पीना भी स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है। पानी का अत्यधिक सेवन या ओवरहाइड्रेशन आपके शरीर के लिए उतना ही अधिक खतरनाक हो सकता है, जितना कि शरीर में पानी की कमी।

यह खतरा उस लोगों में खासकर बढ़ जाता है, जिनकी बॉडी में पहले से लिवर संबंधी दिक्कतें मौजूद हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ओवरहाइड्रेशन के बारे में बताने जा रहे हैं और साथ ही यह भी जानेंगे कि क्या हद से ज्यादा पानी पीना लिवर के लिए धीमे जहर की तरह काम करता है।

जानिए क्या है ओवरहाइड्रेशन : जब कोई व्यक्ति जरूरत से ज्यादा पानी पीता है या फिर बॉडी जरूरत से ज्यादा पानी को रोक लेता है। तो इस स्थिति को ओवरहाइड्रेशन कहा जाता है। इसके गंभीर रूप वॉटर इंटॉक्सिकेशन या वॉटर पॉइजनिंग के रूप में भी दिखाई दे सकते हैं। इस दौरान शरीर के इलेक्ट्रोलाइट्स तेजी से इंबैलेंस हो जाते हैं।

ओवरहाइड्रेशन के कारण

कोशिकाएं सूजने लगती हैं
कोशिकाओं में पानी भरने लगता है
खून में सोडियम का स्तर बहुत कम हो जाता है
गंभीर स्थिति में दिमाग की सूजन का खतरा
लिवर को नुकसान पहुंचता है ज्यादा पानी
सामान्य और हेल्दी व्यक्ति में अधिक पानी सीधे-सीधे लीवर को नुकसान नहीं पहुंचाता है। क्योंकि पानी को फिल्टर करने का मुख्य काम किडनी का है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

बाल विवाह के खिलाफ अभियान, छात्राओं को किया गया सशक्त और जागरूक

साहिबगंज/उधवा : प्रखंड के जीएन उच्च विद्यालय अमानत पियारपुर परिसर में मंथन संस्था, चाइल्ड हेल्पलाइन, संरक्षण पदाधिकारी तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में बेटी बचाओझबेटी पढ़ाओ अभियान एवं 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा तथा भविष्य निर्माण के प्रति जागरूक करना रहा।कार्यक्रम का संचालन मंथन संस्था के समन्वयक अमन वर्मा ने किया। उन्होंने छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने, अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने, आत्मरक्षा के आवश्यक कौशल सीखने तथा विपरीत परिस्थितियों में साहस और आत्मविश्वास के साथ खड़े होने के लिए प्रेरित किया। संस्थागत देखरेख कर रही चंदा कुमारी ने बेटी बचाओझबेटी पढ़ाओ योजना के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बालिकाओं की शिक्षा और सशक्तीकरण को समाज की प्रगति के लिए अनिवार्य बताया। वहीं चाइल्ड हेल्पलाइन समन्वयक मोहम्मद इकबाल ने गुड टचझ बैड टच, बाल विवाह, बाल श्रम जैसे गंभीर विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी और आवश्यकता पड़ने पर हेल्पलाइन सेवाओं के उपयोग के बारे में बताया। इसके अतिरिक्त शोभा कुमारी ने छात्राओं को एंटी साइबर क्राइम से जुड़े विभिन्न पहलुओं, ऑनलाइन सुरक्षा, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा साइबर अपराध से बचाव के तरीकों की जानकारी देकर सतर्क किया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और अपने सवालों के माध्यम से जागरूकता को और मजबूत किया। इस अवसर पर शबनम प्रवीण, संजीव कुमार, रूपेश्वर कुमार सहित अन्य पीएलवी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर बालिकाओं को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया गया।

पति ने पत्नी का आपत्तिजनक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर किया वायरल

साहिबगंज/उधवाः राधानगर थाना क्षेत्र में एक पति द्वारा अपनी ही पत्नी का आपत्तिजनक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने का आरोप लगा है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित संज्ञान लेते हुए पति समेत तीन नामजद आरोपियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राधानगर थाना क्षेत्र की एक महिला ने थाना में दिए गए लिखित आवेदन में बताया कि लगभग एक माह पूर्व उसके पति ने उसकी मर्जी के बिना आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड किया था। जब महिला ने इसका विरोध किया, तो उसके साथ मारपीट की गई और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। पीड़िता का आरोप है कि 11 दिसंबर को उक्त वीडियो को जानबूझकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड कर दिया गया, जिससे उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची और वह मानसिक आघात में चली गई।पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया है कि इससे पहले भी उसके फोटो और वीडियो को सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से साझा किया जा चुका है। आवेदन में महिला ने पति के साथ-साथ ससुर और सास पर भी लगातार मारपीट, प्रताड़ना और साजिश के तहत बदनाम करने का आरोप लगाया है।मामले की गंभीरता को देखते हुए राधानगर पुलिस ने थाना कांड संख्या 552/25 के तहत बीएनएस की सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि इस तरह के अपराध और महिलाओं के सम्मान से जुड़े मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मामले का अनुसंधान राजमहल प्रभाग के इंस्पेक्टर राजीव रंजन को सौंपा गया है। पुलिस का कहना है कि अनुसंधान के क्रम में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जिला वार्षिक अधिवेशन की तैयारी को लेकर हुई बैठक

साहिबगंज : रेलवे परिसर राजमहल में झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक प्रखंड अध्यक्ष दुर्योधन कुमार सानू की अध्यक्षता में प्रस्तावित आगामी 21 दिसंबर को छाता दंगल रतनपुर बरहरवा में जिला वार्षिक अधिवेशन होने की तैयारी को लेकर बैठक हुई।बैठक में केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव मुख्य रूप से मौजूद थे।केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने कहा की 18 दिसंबर से लेकर 20 दिसंबर तक अपने प्रखंड अध्यक्ष को अपने अपने क्षेत्र में प्रचार प्रसार करने का निर्देश दिया।बैठक में केंद्रीय उपाध्यक्ष फूल कुमारी देवी, दुर्योधन साह,सुरेन्द्र कुमार,गौतम कुमार साह,मो0 हामिद शेख,बीरेंद्र कुमार साह,सुबोध मंडल सहित अन्य लोग मौजूद थे।

टोटो के बीच जोरदार भिड़ंत दुर्घटना में टोटो चालक गंभीर रूप से घायल

साहिबगंज : शहर के कॉलेज रोड गुप्ता मार्केट के पास शुक्रवार को तेज रफ्तार स्कूटी व टोटो के बीच जोरदार भिड़ंत दुर्घटना में टोटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।स्थानीय लोगों ने घायल टोटो चालक को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया जहां चिकित्सक उनका उपचार किया। स्थानीय लोगों ने बताया कि घायल टोटो चालक गोड़ाबाड़ी हाट का रहने वाला अजित कुमार 25 है।वह स्टेशन से चैती दुर्गा की ओर जा रहा था।इसी दौरान कॉलेज रोड गुप्ता मार्केट के पास सामने से आ रही स्कूटी से टकरा गया। दुर्घटना में उसका बांया पैर फ्रेक्चर हो गया।घायल का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है।नगर थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

गोड्डा टाटानगर साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन सप्ताह में दो दिन साहिबगंज बरहरवा रेलखंड होकर चले : बोदी

साहिबगंज : शहर के प्रसिद्ध समाजसेवी चंद्रदेश्वर प्रसाद सिन्हा उर्फ बोदी सिन्हा स्टेशन परिसर में मालदा डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता से मिले।जिला की समस्याओं से अवगत कराया ओर मांग किया कि ट्रेन नंबर 18186 गोड्डा टाटानगर साप्ताहिक एक्सप्रेस को सप्ताह में कम से कम दो दिन साहिबगंज बरहरवा रेलखंड होकर चलाया जाए।ताकि कहलगांव, पीरपैंती, मिजाचौकी, साहिबगंज, तीनपहाड़, बरहरवा रेलखंड के यात्रियों, व्यापारियों, छात्रों को धनबाद टाटानगर आने जाने में परेशानी न हो।इस रेलखंड में टाटानगर जाने के लिए सीधा ट्रेन सुविधा नहीं रहने से इस रेलखंड के लोगो को टाटानगर आने जाने में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

दिल्ली चलो अभियान में साहिबगंज पाकुड़ से कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जत्था रवाना

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : 14 दिसंबर 2025 को दिल्ली रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली ऐतिहासिक वोट चोर गद्दी छोड़ महारैली में शामिल होने के लिए शुक्रवार को झारखंड के साहिबगंज व पाकुड़ जिलों से कांग्रेस कार्यकर्ताओं का विशाल जत्था दिल्ली के लिए रवाना हुआ।कार्यकर्ताओं के प्रस्थान का नेतृत्व साहिबगंज जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान और पाकुड़ जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीकुमार सरकार ने किया।दोनों नेतृत्वकताओं ने रेलवे स्टेशन पर कार्यकताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि यह रैली केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ एक निर्णायक संदेश देगी।प्रदेश नेतृत्व के दिशानिर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटियों द्वारा पिछले कई दिनों से व्यापक तैयारी की जा रही थी।इसके तहत साहिबगंज, बरहरवा राजमहल पाकुड़,महेशपुर, लिट्टीपाड़ा समेत विभिन्न प्रखंडों से

कार्यकताओं के जत्थे स्थानीय रेलवे स्टेशनो बरहरवा,साहिबगंज तालझाड़ी पाकुड़ मंडरो पतना बरहेट, बोरियो एवं राजमहल से विशेष रूप से समूह बनाकर दिल्ली रवाना हुए।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने कहा दिल्ली रामलीला मैदान में होने वाली यह महारैली देश की संविधान लोकतंत्र और किसानों युवाओं के हक की लड़ाई को नई दिशा देगी।साहिबगंज से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचकर विपक्ष की मजबूत आवाज को ताकत देंगे। वहीं पाकुड़ जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री कुमार सरकार ने कहा केंद्र सरकार द्वारा की जा रही संस्थाओं के दुरुपयोग,महंगाई, बेरोजगारी और किसान-मजदूरों की अनदेखी के खिलाफ यह रैली एक ऐतिहासिक जनसंदेश साबित होगी।पाकुड़ जिला कांग्रेस के कार्यकर्ता पूरी मजबूती के साथ इस आंदोलन का हिस्सा बन रहे हैं।ह्वरेलवे स्टेशन पर कार्यकताओं में विशेष उत्साह देखा गया।हाथों में पार्टी के झंडे, दिल्ली चलो के नारे और वोट चोर गद्दी छोड़ के पोस्टर लिए युवा,महिलाएँ व वरिष्ठ कार्यकर्ता एकजुट होकर दिल्ली की ओर रवाना हुए।कांग्रेस नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि झारखंड से पहुँचने वाला यह जनसैलाब दिल्ली की महारैली को ऐतिहासिक सफलता दिलाएगा और लोकतंत्र बचाने की दिशा में एक बड़ा संदेश देगा,इस महारैली में काँग्रेस के शीर्ष नेताओं के साथ लाखों की संख्या में कार्यकर्तागण शामिल होने जा रहे है।

नवनियुक्त प्रदेश प्रवक्ता सह प्रदेश महासचिव आकाश पांडेय का हुआ स्वागत

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड लोजपा रामविलास युवा का प्रदेश अध्यक्ष शैलेन्द्र द्विवेदी ने नगर क्षेत्र के तालबन्ना निवासी आकाश पांडेय को प्रदेश महासचिव सह प्रदेश प्रवक्ता नियुक्त किया गया।जिसके बाद गठबंधन धर्म का पालन करते हुए राजमहल विधानसभा के पूर्व विधायक अनंत ओझा की उपस्थिति में भाजपा के नगर अध्यक्ष संजय पटेल के द्वारा लोजपा रामविलास युवा के नवनियुक्त प्रदेश प्रवक्ता सह प्रदेश महासचिव आकाश पांडेय को मिठाई खिला कर स्वागत किया गया।मौके पर अनंत ओझा ने कहा कि बहुत खुशी की बात है कि आकाश पाण्डेय को जो जिम्मेदारी मिली है,जिले सहित पूरे राज्य में राजग गठबंधन को और मजबूती मिलेगा।साथ ही आकाश पांडेय ने

कहा कि भाजपा राजग गठबंधन का नेतृत्व करने वाली पार्टी है,हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान भी मोदी के नेतृत्व में पूरी आस्था और विश्वास रखते है,हमलोग राजग गठबंधन सब एक साथ है और आने वाले विधानसभा के चुनाव में झारखंड प्रदेश में भी राजग गठबंधन बिहार की तरह ही ऐतिहासिक जीत हासिल करेगा।मौके पर भाजपा के जिला उपाध्यक्ष रामानंद साह,प्रदेश कार्यकारणी सदस्य धर्मेंद्र ठाकुर,जिला कोषाध्यक्ष महेंद्र पोद्दार,पूर्व नगर अध्यक्ष पंकज चौधरी एवं अजगैबीनाथ यादव सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक से जोड़ने का प्रयास निरंतर जारी है : दीपक

संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल प्रखंड के खुटहरी व महासिंहपुर पंचायत में कृषकों के लिए दो दिवसीय फसल सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। दोनों पंचायतों में कुल 48-48 किसानों ने भाग लेकर कृषि विज्ञान से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं।यह प्रशिक्षण कृषक उपकार लाइवलीहुड अपलिफ्टमेंट द्वारा संचालित एग्री क्लीनिक सेंटर राजमहल के सौजन्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कृषि समन्वयक निकेश कुमार एवं प्रशिक्षक दीपक कुमार द्वारा किसानों को फसल सुरक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान की।प्रशिक्षण के दौरान किसानों को विशेष रूप से निम्न

विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। बीज उपचार की प्रक्रिया लाभ मृदा स्वास्थ्य कार्ड का महत्व,फसलों में पाए जाने वाले हानिकारक कीट एवं रोगों की पहचान एकीकृत कीट एवं रोग प्रबंधन की तकनीकें, सुरक्षित व वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाने के उपाय इस प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों को फसल सुरक्षा के प्रति जागरूक करना, उत्पादन में वृद्धि सुनिश्चित करना और कृषि कार्यों को अधिक वैज्ञानिक व टिकाऊ बनाना था।जिला प्रशासन द्वारा ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक से जोड़ने का प्रयास निरंतर जारी है।

हाईकोर्ट के निर्देश पर सीमा निर्धारण को लेकर दोनों राज्यों की पहुंची टीम

साहिबगंज : झारखंड-बिहार के बीच सीमा निर्धारण के लिए जमीन मापी के लिए दो दिनों से चला आ रहा पेंच तीसरे दिन शुक्रवार को कुछ सुलझता नजर आ

आया।जब झारखंड के साहिबगंज जिला के सदर अंचल की टीम और बिहार के कटिहार कटिहार जिला के मनिहारी आंचल की टीम पहले सुबह वहां पहुंची। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार गहमागहमी के बीच चेन गिरा कर सीमा निर्धारण के लिए पैमाइश शुरू की है।सब कुछ ठीक रहा तो सीमा निर्धारण के साथ ही लंबे समय से चला आ रहा विवाद समाप्त हो जाएगा। हाईकोर्ट में याचिका दायर करने वाले लालबथानी निवासी मो मुश्ताक ने कहा कि पुश्तों से चली आ रही लड़ाई अब खत्म होनी चाहिए।उनकी नजर में दोनों राज्यों के दोनों जिलों के किसान बराबर हैं।इस मुद्दे से नुकसान सिर्फ और सिर्फ गरीब किसानों को हुआ है।प्रशासन और किसानों के सहयोग से ही इस मुद्दे को हल किया जा सकता है।मौके पर साहिबगंज अंचल से प्रभारी अंचल निरीक्षक संजय कुमार गुप्ता,राजस्व कर्मचारी अजय मंडल अमीन बबलू मालतो,भूअर्जन अमीन ओम प्रकाश राय,चेन मैन कपिल देव मंडल,बिहार के मनिहारी अंचल से राजस्व अधिकारी रामसागर पासवान कर्मचारी संजय दास,अंचल अमीन आकाश कुमार, सुमित कुमार व अन्य सहित दोनों जिलों के किसान मौजूद थे।

नेशनल स्कूल गेम्स एथलेटिक्स अंडर 17 में भाग लेने जिले से 06 एथलीट लखनऊ पहुंचे

सिदो कान्हु स्टेडियम, साहिबगंज में संचालित आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र के सभी प्रशिक्षु आज से करेंगे राज्य का प्रतिनिधित्व

संवाददाता

साहिबगंज : स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा 13 से 17 दिसंबर 2025 तक गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स लखनऊ उत्तर प्रदेश में आयोजित 69वीं नेशनल स्कूल गेम्स एथलेटिक्स प्रतियोगिता अंडर 17 में खेल विभाग द्वारा सिदो कान्हु स्टेडियम साहेबगंज में संचालित आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र के 06 ट्रेनी एथलीट जो प्रशिक्षक योगेश यादव के नेतृत्व में अभ्यास करते हैं। +2 राजस्थान उच्च विद्यालय, साहिबगंज के छात्र हैं।झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद रांची द्वारा

चंदनक्यारी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स,बोकारो में आयोजित 20 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर उपरांत लखनऊ पहुंचे।जिसमें पृथ्वी राज मंडल जेवलिन थ्रो परमा हांसदा 4 गुणा 100 मीटर रिले एमानुएल किस्कू 110 मीटर हर्डल्स एवं 4 गुणा 100 मीटर रिले प्रेम चंद मुर्मू हैमर थ्रो जमशेद अंसारी 5000 मीटर पैदल चाल, कृष्णा कुमार 4 गुणा 400 मीटर रिले में राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे।सभी 06 खिलाड़ियों व इनके कोच योगेश यादव को उपायुक्त हेमंत सती,उपविकास आयुक्त सतीश चंद्रा,आई टी डी ए निदेशक संजय कुमार,अपर समाहर्ता गौतम भगत,जिला शिक्षा पदाधिकारी दुर्गा नंद झा,जिला खेल पदाधिकारी सह जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष,जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष राजेश कुमार,सचिव माधव चंद्र घोष,संतोष उर्फ टिंकू जिला खेल समन्वयक कौशल किशोर मरांडी,खेल प्रशिक्षक अशोक कुमार,प्रकाश सिंह बादल,खेल शिक्षक राकेश राका,गौरव झा,आदित्य कुमार,बिरेंद्र कुमार समेत जिले के खेल प्रेमियों ने शुभ कामना दी।

सरकार जमीन अधिग्रहण करके दे ओवरब्रिज का निर्माण शुरू होगा : डीआरएम

रेलवे उच्च विद्यालय का निरीक्षण के साथ रेल सेफ्टी को लेकर रेलकर्मियों से जानकारी ली

संवाददाता

साहिबगंज : मालदा डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता शुक्रवार दोपहर को अपने विशेष सैलून से साहिबगंज पहुंचे। साहिबगंज रेलवे स्टेशन का जायजा लिया। समाहरणालय पहुंचकर डीसी, एसपी के साथ बैठक किए। उसके बाद रेलवे उच्च विद्यालय पहुंचकर विद्यालय का जीर्णोद्धार कार्यों का जायजा लिया। विद्यालय परिसर व सभी क्लास रुम में लगे लगभग 60 सीसीटीवी कैमरा, सीबीएसई के नियम अनुसार तैयार हो रहे विद्यालय, कंप्यूटर लैब, खेल ग्राउंड, परिसर, सुरक्षा मानक का पालन, शताब्दी प्रशाल सभागार ओर क्लास रुम का जायजा लिया। छात्रों से स्कूल को लेकर जानकारी ली। वही रेलवे रनिंग रुम पहुंचकर खाना का

क्वालिटी का जांच खुद खा कर किया। वही कोचिंग यार्ड में शंटिंग मेला आयोजित किया, जिसमें डीआरएम शंटिंग कार्य में शामिल होकर फील्ड स्टाफ को सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक किया। डीआरएम ने शंटमैन, शंटर, पॉइंट्समैन सहित अन्य फ्रंटलाइन कर्मी से बात किया ओर सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने, सुरक्षा तैयारियों का जायजा लिया। कर्मियों का मूवमेंट, सिग्नलिंग, समन्वय और संचार से जुड़ी सही प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई, ताकि शंटिंग कार्य सुरक्षित व सुचारू रूप से हो सके। वही डीआरएम ने नॉर्थ कॉलोनी स्थित हेरिटेज बंगलो ओर रेलवे जनरल इंस्टीट्यूट टॉकीज फील्ड का जायजा लिया। वही डीआरएम ने रेलवे अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वही डीआरएम ने कहा कि शहर में पश्चिम फाटक समीप ओवरब्रिज का निर्माण होना है, राज्य सरकार को भूमि अधिग्रहण कर-के देना है। राज्य सरकार भूमि अधिग्रहण करके देगी उसके बाद ही आगे की टेंडर प्रक्रिया करके ओवरब्रिज निर्माण कार्य शुरू होगा। रेलवे उच्च विद्यालय में आगामी वित्तीय सत्र में छात्राओं का भी एडमिशन होगा। सीबीआई पाठ्यक्रम से पढ़ाई होगी, डिजिटल क्लास रुम का निर्माण हो रहा है, प्ले ग्राउंड के साथ साथ वालीबॉल कोर्ट का निर्माण होगा, सुरक्षा व्यवस्था और बेहतर शिक्षा छात्रों को दिया जाएगा। आने वाले नए वर्ष में जिला में यात्री सुविधा बढ़ेगी. रेस्टोरेंट व्यवसाय के लिए रेलवे के पास कुछ जगह है, इच्छुक लोग आवेदन कर सकते है।

बॉर्नमाउथ के खिलाफ मुकाबले से पहले मैनचेस्टर यूनाइटेड को म्ब्यूमो, माजराउई और डायलो की उपलब्धता का इंतजार

एजेंसी

मैनचेस्टर : मैनचेस्टर यूनाइटेड के मैनेजर रूबेन अमोरिम ने शुक्रवार को कहा कि उनकी टीम कई संभावित हालात के लिए तैयारी कर रही है, क्योंकि क्लब को अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ब्रायन म्ब्यूमो, नूसैर माजराउई और अमाद डायलो सोमवार को बॉर्नमाउथ के खिलाफ होने वाले प्रीमियर लीग घरेलू मुकाबले के लिए उपलब्ध रहेंगे या नहीं। ये तीनों खिलाड़ी अफ्रीका कप ऑफ नेशंस में हिस्सा लेने के लिए अपनी-अपनी राष्ट्रीय टीमों से जुड़ने वाले हैं। यह टूर्नामेंट 21 दिसंबर से 18 जनवरी तक चलेगा। म्ब्यूमो कैमरून, माजराउई मोरक्को और डायलो आइवरी कोस्ट की ओर से खेलते हैं। अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के लिए खिलाड़ियों की अनिवार्य रिलीज तारीख सोमवार है, जिसके चलते यूनाइटेड इस बात को लेकर असमंजस में है कि क्या ये खिलाड़ी मैच खेलने के बाद राष्ट्रीय टीम के लिए रवाना होंगे या उससे पहले ही क्लब छोड़ देंगे। मैच से पहले मीडिया से बात करते हुए अमोरिम ने कहा,ह्लहम अभी भी राष्ट्रीय टीमों के साथ बातचीत कर रहे हैं। मैच सोमवार को है, खिलाड़ी यहां हैं, ट्रेनिंग कर रहे हैं और हम हर स्थिति के लिए तैयारी कर रहे हैं। यह थोड़ा निराशाजनक है, लेकिन साथ ही कोई नहीं जानता कि कौन खेलेगा, जो अपने आप में एक अच्छी बात है। हमारे पास हर स्थिति से निपटने के लिए खिलाड़ी मौजूद हैं। उन्होंने आगे कहा,ह्लहर राष्ट्रीय टीम की अपनी रणनीति होती है कि वे खिलाड़ियों को कब बुलाना चाहते हैं। मुझे उम्मीद है कि आज या कल तक फैसला हो जाएगा, लेकिन हम आखिरी पल तक इंतजार करेंगे ताकि सबसे बेहतर टीम का चयन कर सकें। इसी बीच चोटों ने भी यूनाइटेड की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। डिफेंडर हैरी मैगुइर और मैथिज डे लिग्ट अभी भी चोट के चलते बाहर हैं, जबकि स्ट्राइकर बेंजामिन शेश्को की उपलब्धता पर भी सवाल बना हुआ है। 22 वर्षीय स्लोवेनियाई स्ट्राइकर शेश्को, जिन्हें क्लब ने इस सीजन 76.5 मिलियन यूरो में साइन किया था, नवंबर में टोटेनहम के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ हुए मुकाबले में घुटने में चोट लगने के बाद से पिछले चार मैच नहीं खेल पाए हैं। अमोरिम ने बताया,ह्लहमें देखना होगा कि शेश्को उपलब्ध होते हैं या नहीं। उन्हें फूड पॉइजनिंग भी हुई है, लेकिन अभी दो ट्रेनिंग सेशन बाकी हैं। फिलहाल मैनचेस्टर यूनाइटेड 15 मैचों में 25 अंकों के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर है, जबकि एंडोनी इराओला की बॉर्नमाउथ टीम 20 अंकों के साथ 13वें स्थान पर मौजूद है। अमोरिम ने बॉर्नमाउथ को मजबूत चुनौती बताया और कहा,ह्लयह एक टॉप टीम है, एक बेहतरीन मैनेजर और खास खिलाड़ियों के साथ। मैं सिर्फ नतीजों को नहीं देखता, बल्कि यह देखता हूं कि वे हर विरोधी के खिलाफ कैसे खेलते हैं। वे बहुत आक्रामक प्रेसिंग करते हैं और सीधे खेलते हैं। यह मुकाबला बेहद कठिन होगा, लेकिन हमें खासकर घरेलू मैदान पर जीत दर्ज करनी ही होगी।

14 साल बाद भारत लौटे लियोनेल मेसी, कोलकाता से की शुरूआत

कोलकाता : अर्जेंटीना को 2022 फीफा विश्व कप जिताने वाले कप्तान और आठ बार के बैलन डीह्लओर विजेता लियोनेल मेसी एक बार फिर भारत की धरती पर लौट आए हैं। मेसी शनिवार, 13 दिसंबर 2025 की सुबह कोलकाता पहुंचे और इसी के साथ उनके बहुप्रतीक्षित ह्यत्र्रुडअळ टूर ऑफ इंडियाह्ल की शुरूआत हो गई। करीब 14 साल बाद भारत आए मेसी अपने इस दौरे में देश के चार प्रमुख शहरों – कोलकाता, हैदराबाद, मुंबई और नई दिल्ली – का दौरा करेंगे। इस टूर के दौरान फुटबॉल प्रेमियों के लिए कई खास कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मेसी के साथ उनकी क्लब टीम इंटर मियामी के स्टार खिलाड़ी रोड्रिगो डी पॉल और लुइस सुआरेज भी भारत दौरे पर मौजूद हैं। मेसी की एक झलक पाने के लिए फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, खासकर कोलकाता में, जिसे भारत की फुटबॉल राजधानी भी कहा जाता है। मेसी का यह दौरा भारतीय फुटबॉल के लिए ऐतिहासिक माना जा रहा है और इससे देश में फुटबॉल को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है।

सलमान खान ने खटखटाया दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा

कई बॉलीवुड सेलेब्स अपनी पर्सनैलिटी, पब्लिसिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए कोर्ट जा चुके हैं। हाल ही में सलमान खान ने इस मामले को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट का रूख किया। सलमान खान ने अपने पर्सनैलिटी, पब्लिसिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। हाल के महीनों में कई जाने-माने एक्टर्स को पर्सनैलिटी, पब्लिसिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए हाई कोर्ट से राहत मिली है। इसके बाद ही सलमान खान ने अपनी अर्जी फाइल की है।

कृतिका कामरा ने कन्फर्म किया रिश्ता?

● **इस मशहूर क्रिकेट होस्ट को कर रहीं डेट; इंस्टाग्राम पर साझा की तस्वीरें**

बी-टाउन में एक नए रिश्ते का खुलासा हुआ है। अभिनेत्री कृतिका कामरा ने गौरव कपूर के साथ अपने रिश्ते को सार्वजनिक करते हुए एक पोस्ट किया है। वो कहते हैं न कि धुआं वहीं से उठता है, जहां कोई चिंगारी लगी होती है। पिछले कुछ वक्त से अभिनेत्री कृतिका कामरा और टेलीविजन प्रजेंटेटर गौरव कपूर के रिलेशनशिप को लेकर चर्चाएं चल रही थीं। अब अंततः आज कृतिका ने इन चर्चाओं पर मोहर लगा दी और गौरव कपूर के साथ अपने रिलेशनशिप को ऑफिशियल कर दिया। कृतिका ने एक पोस्ट के जरिए अपने रिश्ते को कंफर्म किया है।

कृतिका ने शेयर की पोस्ट

बुधवार को कृतिका ने अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में कृतिका और गौरव दोनों नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में दोनों साथ में ब्रेकफास्ट करते और कॉफी पीते भी नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए कृतिका ने कैप्शन में सिर्फ 'ब्रेकफास्ट विद' लिखा है। जाहिर है कि गौरव कपूर का यूट्यूब पर एक शो भी है 'ब्रेकफास्ट विद गौरव कपूर', जिसमें वो क्रिकेट सेलेब्स के साथ बातचीत करते हैं। इन तस्वीरों में कृतिका और गौरव की सेल्फी भी है। साथ ही एक वीडियो भी है, जिसमें दोनों के कॉफी मग पर बेबी लिखा हुआ है। कृतिका और गौरव के रिश्ते को लेकर सोशल मीडिया पर महीनों से अफवाहें चल रही हैं। खासकर मुंबई में दोनों को साथ देखे जाने के बाद, इनके अफेयर की चर्चाएं बी-टाउन के गलियारों में जोरों पर थीं। लेकिन कपल अपने रिश्ते को छिपाए हुए था। कई बार कपल को बांद्रा के मशहूर रेस्टोरेंट में खाना खाते और अपने दोस्तों के साथ समय बिताते देखा गया था। हालांकि, दोनों ने पहले इन अटकलों पर कोई टिप्पणी नहीं की थी। लेकिन अब कृतिका ने अपनी इस पोस्ट के जरिए अपने रिश्ते को लगभग कंफर्म कर दिया है। इसके बाद अब सारी अटकलें खत्म हो गई हैं।

काफी वक्त से चल रही थीं चर्चाएं

करीना कपूर को था अक्षय खन्ना के ऊपर क्रश, बताया हॉलीवुड स्टार

वह बहुत क्यूट हैं...

'धुरंधर' में अक्षय खन्ना के अभिनय की जमकर तारीफ हो रही है। इसी बीच एक पुराना वीडियो सामने आया है, जिसमें करीना कपूर एक्टर अक्षय की प्रशंसा के पुल बांधती नजर आ रही हैं। अक्षय खन्ना इन दिनों अपनी नई फिल्म 'धुरंधर' की वजह से सुर्खियों में हैं। फिल्म में उनका खतरनाक डकैत रहमान का किरदार और वायरल एंट्री डांस लोगों को बहुत पसंद आ रहा है। इसी बीच करीना कपूर का एक पुराना वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे खुलकर अक्षय खन्ना को अपना क्रश कहती नजर आ रही हैं।

करीना का क्रश

साल 2004 में फिल्म 'हलचल' के प्रमोशन के दौरान करीना ने कहा था, 'मैंने अक्षय की फिल्म 'हिमालयपुत्र' कम से कम 20 बार देखी है। उस समय मैं स्कूल में थी और अक्षय खन्ना सभी लड़कियों के क्रश थे। मैं भी उनके पीछे पूरी तरह पागल थी।'

धुरंधर में गौरी मैम के किरदार पर उठे सवाल पर एक्ट्रेस ने दिया जवाब, कहा-

यहां ग्लैमर नहीं मिलेगा

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है। कलेक्शन के मामले में यह फिल्म रिकॉर्ड तोड़ रही है। फिल्म के किरदारों को भी पसंद किया जा रहा है, लेकिन अब इसी फिल्म में रहमान डकैट की पत्नी का रोल प्ले करने वाली सौम्या टंडन, या पॉपुलर गौरी मैम, ने एक यूजर के कमेंट का जवाब दिया है, जिन्हें फिल्म में उनके किरदार का होना बेवजह लगा। सौम्या टंडन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर फिल्म और अपने किरदार पर बात करते हुए यूजर को दो टूक जवाब दिया। यूजर ने सौम्या टंडन की फिल्म के स्क्रीनशॉट को शेयर कर लिखा, 'दोनों ही अभिनेत्रियां पुरुषों को थप्पड़ मारती हैं और वे कोई प्रतिक्रिया भी नहीं देते। इन दोनों महिलाओं ने तो 'धुरंधर' भी नहीं देखी होगी, लेकिन हमेशा की तरह महिला कार्ड खेलने के लिए बेकार बातें कर रही है, जिसका फिल्म से कोई लेना-देना नहीं है।' यूजर की कमेंट का जवाब देते हुए सौम्या टंडने ने लिखा, 'धुरंधर की कहानी जिस दुनिया में घटित होती है और निर्देशक ने जिस तरह के सामाजिक मानदंडों को दर्शाया है, वह पुरुष प्रधान दुनिया है, फिर भी महिलाओं के साथ गरिमापूर्ण व्यवहार किया जाता है।

रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में

अपने करियर जर्नी पर बोले कार्तिक आर्यन

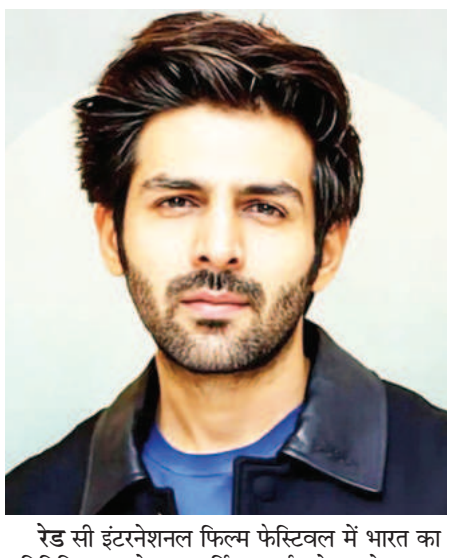

रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए कार्तिक आर्यन ने अपने बॉलीवुड सफर को एक ऐसी कहानी बताई है, जो अभी पूरी तरह लिखी ही नहीं गई है। सफलता के कई पड़ावों को पार करने के बावजूद, कार्तिक अपने करियर को एक निरंतर विकसित होती स्क्रिप्ट मानते हैं, जहाँ हर उपलब्धि नई महत्वाकांक्षाओं और नए अवसरों का रास्ता खोलती है, फिर चाहे वह भारत में हों या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर। कार्तिक कहते हैं, मुझे लगता है कि मैंने बस अभी-अभी अपना सफर शुरू किया है। हालांकि कहानी अभी भी लिखी जा रही है, लेकिन मुझे नहीं पता कि यह कहाँ जाएगी। आप इसे कहानी का शुरुआती दौर भी कह सकते हैं, जिसे पूरी होने में काफी वक्त लगेगा। गौरतलब है कि कार्तिक की यह भावना उनके निरंतर सीखने और आगे बढ़ने की चाह को दर्शाती है। उन्होंने अपने लगातार आगे बढ़ने के जज़्बे पर भी बात करते हुए कहा, मैं हमेशा कहता हूँ कि अभी मैं यहाँ हूँ, तो मुझे वहाँ पहुँचना है।

और जब मैं वहाँ पहुँच जाऊँगा, तो मुझे उससे भी आगे जाना होगा। फिर वहाँ से और आगे। यह एक कभी न खत्म होने वाली दौड़ है, जो बेहद ज़रूरी है, क्योंकि अगर मैं संतुष्ट हो जाऊँ, तो आगे के लिए कभी कोशिश नहीं करूंगा। रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल जैसे वैश्विक मंच पर खड़े होकर कार्तिक के कहे यह शब्द न सिर्फ उनके अंतरराष्ट्रीय आकर्षण को दिखाते हैं, बल्कि उनकी महत्वाकांक्षाओं को भी उजागर करते हैं।

अरे दादा गोरी मेम को डकैत उड़ा ले गाओ...

➲ **अनीता** भाभी को Dhurandhar में देखकर लोटे तीनों आशिकों के सीने पर सांप, वायरल हुए मीम्स

हाल ही में रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर रिलीज हुई है. फिल्म के कुछ सीन्स में सीरियल भाभी जी घर पर हैं की अनीता भाभी नजर आई हैं. जिसके बाद से ही अनीता भाभी के फनी मीम्स सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं.

बॉलीवुड एक्टर अक्षय खन्ना ने इस फिल्म के जरिए जबरदस्त कमबैक किया है. अक्षय खन्ना के डांस के मीम्स सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं. अगर आपको लग रहा है कि इस फिल्म ने केवल अक्षय खन्ना को ही रातोंरात लाइमलाइट में ला दिया है तो आप गलत सोच रहे हैं. अक्षय खन्ना की तरह सीरियल भाभी जी घर पर हैं की अनीता भाभी ने भी इस समय सोशल मीडिया को हिलाकर रख दिया है. अब आप कहेंगे कि धुरंधर का सीरियल भाभी जी घर पर हैं की अनीता भाभी से क्या लेना देना. दरअसल सीरियल भाभी जी घर पर हैं की अनीता भाभी यानी सौम्या टंडन ने फिल्म धुरंधर में अक्षय खन्ना की पत्नी का किरदार निभाया है.

सीरियल भाभी जी घर पर हैं के फैंस ने हिलाई सोशल मीडिया की दुनिया

फिल्म के कुछ सीन्स में सौम्य टंडन अक्षय खन्ना के साथ नजर आ रही हैं. इन सीन्स के सामने आते ही सीरियल भाभी जी घर पर हैं की अनीता भाभी के फैंस के बीच हंगामा मच गया है. फैंस कह रहे हैं कि सीरियल भाभी जी घर पर हैं की अनीता भाभी को डकैत उड़ाकर ले गया और तिवारी और हप्पू देखते ही रह गए. जिसके बाद से ही अनीता भाभी के फनी मीम्स सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं.

शाहरुख खान ने की ऑस्कर की रेस में शामिल 'होमबाउंड' की तारीफ

शाहरुख खान ने ईशान खट्टर और विशाल जेठवा की फिल्म 'होमबाउंड' को देखकर अपनी प्रतिक्रिया साझा की है। किंग खान ने फिल्म पर क्या कुछ कहा है, चलिए आपको बताते हैं। ईशान खट्टर और विशाल जेठवा की फिल्म होमबाउंड को भले ही सिनेमाघरों में सफलता ना मिली हो लेकिन बॉलीवुड के 'किंग' शाहरुख खान ने निर्देशक नीरज घेवान की फिल्म 'होमबाउंड' की खुलकर तारीफ की है। सामाजिक संवेदनाओं को छूती इस फिल्म ने पहले ही देश-विदेश में पहचान बना ली है और अब शाहरुख की सराहना के बाद फिल्म को लेकर एक बार फिर चर्चा होने लगी है।

शाहरुख खान ने एक्स पर की तारीफ

शाहरुख खान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फिल्म की तारीफ की। उन्होंने फिल्म को नरम, सच्ची और दिल से जुड़ी हुई कहानी बताया। उन्होंने कहा कि फिल्म 'होमबाउंड' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि इंसानियत और संवेदनाओं की जीत है। एसआरके ने निर्देशक नीरज घेवान के साथ-साथ पूरी कास्ट और प्रोडक्शन टीम को बधाई दी और कहा कि उन्होंने दुनिया भर में दर्शकों का दिल जीत लिया है।

सुरभि चंदना को मिला वूमेनप्रेन्योर इंडिया अवॉर्ड

टेलीविजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री सुरभि चंदना ने एक से बढ़कर एक धारावाहिकों में काम कर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। अभिनेत्री को हाल ही में वूमेन प्रेन्योर इंडिया अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इसकी बात की जानकारी सुरभि ने पोस्ट के जरिए दी। सुरभि चंदना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट किया, जिसके साथ उन्होंने लिखा कि यह सम्मान उनके लिए एक शांत सा पल है, जबकि उनका पूरा करियर शांत नहीं रहा है। उन्होंने लिखा, एक्टिंग के अलावा मैंने अपना म्यूजिक लेबल फील गुड ऑरिजिनल शुरू किया और अब द सेम ब्रैंड के साथ नई कहानियां बनाने की कोशिश कर रही हूं। इन नए रास्तों ने मुझे अंदर से बदल दिया है। अभिनेत्री ने बताया कि इस सफर में चलना बिल्कुल आसान नहीं था। उन्होंने लिखा, इस सफर को तय करने पर कई बार मुझे खुद पर शक हुआ, कई बार फिर से शुरुआत करनी पड़ी और कई बार ऐसा लगा कि अब कुछ नहीं बचेगा, लेकिन फिर भी मैंने हार नहीं मानी और चलती रही,
अपना रास्ता बनाती गई।

मध्य प्रदेश में सर्दी ने तोड़े रिकॉर्ड, इंदौर बना पचमढ़ी जैसा ठंडा, भोपाल में तापमान 7 डिग्री से नीचे

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश इस बार कड़ाके की ठंड की चपेट में है। प्रदेश के कई हिस्सों में तापमान लगातार गिर रहा है और सर्दी ने पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इंदौर में शुक्रवार रात बीते दस वर्षों की सबसे ठंडी रात दर्ज की गई, जहां न्यूनतम तापमान 5.2 डिग्री सेल्सियस रहा। खास बात यह रही कि इंदौर का तापमान प्रदेश के एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी के बराबर पहुंच गया। राजधानी भोपाल में भी ठंड का असर साफ नजर आया। यहां न्यूनतम तापमान 7 डिग्री से नीचे बना हुआ है। लगातार छह दिनों तक शीतलहर के बाद गुरुवार को भले ही थोड़ी राहत मिली,

लेकिन शुक्रवार को फिर से ठंडी हवाओं ने लोगों को गर्म कपड़ों में लिपटने पर मजबूर कर दिया। भोपाल, इंदौर, राजगढ़, सीहोर और शाजापुर सहित कई जिलों में दिनभर सर्द हवाएं चलती रहीं। धूप निकलने के बावजूद शाम होते-होते ठंड का असर और बढ़ गया। मौसम विभाग का कहना है कि फिलहाल अगले तीन दिनों तक शीतलहर का अलर्ट नहीं है, लेकिन ठंड से राहत मिलने की संभावना कम है। रात के तापमान में और गिरावट आ सकती है। गुरुवार-शुक्रवार की रात प्रदेश के कई शहरों में पारा 5 से 10 डिग्री के बीच दर्ज किया गया। भोपाल में न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री, ग्वालियर में 9.1, उज्जैन में 9, जबलपुर में 8.4 डिग्री रहा। वहीं राजगढ़ में 5.2, नौगांव में 6.4, उमरिया में 6.6, रीवा में 7, मलाजखंड में 7.2 और मंडला में 7.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में हो रही बर्फबारी का असर मध्य प्रदेश तक पहुंच रहा है। पहाड़ी राज्यों में कई जगह तापमान शून्य से नीचे चला गया है। इसके अलावा उत्तर भारत के ऊपर सक्रिय जेट स्ट्रीम भी मौसम को प्रभावित कर रही है। करीब 12.6 किलोमीटर की ऊंचाई पर 204 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बह रही यह जेट स्ट्रीम मध्य प्रदेश में ठंड बढ़ाने का कारण बन रही है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आने वाले दिनों में दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन रातें फिलहाल बेहद सर्द बनी रहेंगी।

मप्र में आज नेशनल लोक अदालत का आयोजन, लंबित प्रकरणों का होगा निराकरण

- नेशनल लोक अदालत के लिए इन्दौर में 85 खंडपीठों का गठन

एजेंसी

इंदौर : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निदेर्शानुसार तथा आज शनिवार को मध्य प्रदेश में उच्च न्यायालय से लेकर जिला न्यायालय, श्रम न्यायालय, कुटुम्ब न्यायालय, उपभोक्ता फोरम, म.प्र. भू-सम्पदा विनियामक प्राधिकरण एवं तहसील न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। साल की इस अंतिम नेशनल लोक अदालत में लंबित प्रकरणों का आपसी सुलह-मशविरे के आधार पर निराकरण किया जाएगा। इंदौर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव शिवराज सिंह गवली ने बताया कि इस नेशनल लोक अदालत में जिले के विभिन्न न्यायालयों में लंबित प्रकरण रखे गये हैं, जिनके अंतर्गत राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरण 2458, सिविल प्रकरण 974, मोटर दुर्घटना क्लेम प्रकरण 1174, विद्युत प्रकरण 1303, चेक बाउंस प्रकरण 1949, वैवाहिक प्रकरण 413 अन्य 871 प्रकरणों के साथ ही बैंक रिकवरी 84968 व विद्युत 2011 से संबंधित प्री-लिटिगेशन प्रकरण राजीनामे के आधार पर निराकरण हेतु रखे जा रहे हैं। उक्त नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों के निराकरण हेतु सम्पूर्ण जिले कुल 85 खंडपीठ का गठन किया गया है। राज्य शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 135 के अंतर्गत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए 13 दिसम्बर, 2025 (शनिवार) को होने वाली नेशनल लोक अदालत में लंबित प्रकरणों में निम्न समस्त घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवाट भार तक के गैर घरेलू, 10 अश्वशक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को नियम एवं शर्तों के अधीन प्रीलिटिगेशन एवं लीटिगेशन स्तर पर छूट दी जाएगी। प्री-लिटिगेशन स्तर पर कम्पनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छः माही चक वृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

वाराणसी पुलिस को मिला कोडीन कफ सिरप के आरोपित शुभम जायसवाल का वायरल वीडियो

वाराणसी: वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस को कोडीन कफ सिरप केस के आरोपित और 25 हजार का इनामी शुभम जायसवाल का सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में शुभम जायसवाल फोन से किसी से बातचीत करता देखा जा रहा है। इस संबंध में डीसीपी काशी जोन गौरव बंसवाल ने शनिवार को बताया कि मीडिया के माध्यम से शुभम जायसवाल की एक वीडियो मिली है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है और दुबई में किसी होटल की बताई जा रही है। एसआईटी टीम और पुलिस अधिकारियों को इस संबंध में जानकारी दी गई है। वाराणसी सहित तमाम स्थानों पर ईडी की छापेमारी के दौरान आरोपित शुभम जायसवाल ने पल पल की जानकारी की। उसके परिवार और संबंधियों के मोबाइल नंबरों की जांच हो रही है, बावजूद शुभम जायसवाल के नंबर को वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस अभी तक ट्रेस नहीं कर पाई है।

एनसीआर ही नहीं, कोलकाता भी प्रदूषण की चपेट में

अमित मालवीय ने ममता सरकार को घेरा

एजेंसी

कोलकाता : भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल रहने का आरोप लगाया है। पार्टी के सोशल मीडिया प्रभारी और पश्चिम बंगाल के सह पर्यवेक्षक अमित मालवीय ने शनिवार को एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट के जरिए कहा कि कोलकाता भी दिल्ली-एनसीआर की तरह गंभीर वायु प्रदूषण से जूझ रहा है, लेकिन यहां इसके लिए कोई बहाना नहीं है। मालवीय ने अपनी पोस्ट में लिखा कि एनसीआर अकेला नहीं है, कोलकाता में भी प्रदूषण से दम घुट रहा है। पश्चिम बंगाल में मौसमी पराली जलाने की समस्या न होने के बावजूद, कोलकाता लगातार गंभीर स्वच्छ वायु संकट का सामना कर रहा है। यह खराब शहरी योजना, अनियंत्रित निर्माण से उड़ने वाली धूल, वाहनों से होने वाला प्रदूषण, औद्योगिक उत्सर्जन और पर्यावरण मानकों के कमजोर

कार्यान्वयन की गहरी और साल भर चलने वाली समस्या को उजागर करता है।

भाजपा नेता ने इस मुद्दे को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल करार देते हुए कहा कि वायु प्रदूषण कोई मौसमी असुविधा नहीं है, बल्कि यह एक गंभीर जनस्वास्थ्य संकट है। जब कोलकाता जैसा शहर बाहरी कारकों के बहाने के बिना खतरनाक वायु गुणवत्ता से जूझता है, तो यह सरकार की निरंतर विफलता को साफ तौर पर दशार्ता है। मालवीय ने ममता बनर्जी के प्रशासन पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि इस समस्या को उनकी सरकार की विफलताओं की लंबी सूची में जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता प्रशासन के तहत पर्यावरण प्रशासन पूरी तरह से उपेक्षित रहा है। मालवीय ने कहा कि नागरिक स्वच्छ हवा, जवाबदेह नेतृत्व और निर्णायक कार्रवाई के हकदार हैं, न कि सिर्फ बहानों के। यह पोस्ट ऐसे समय में आई है जब देश की राजधानी दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र भी गंभीर वायु प्रदूषण से जूझ रहा है। हालांकि, मालवीय ने यह स्पष्ट किया कि कोलकाता की स्थिति और भी चिंताजनक है क्योंकि यहां पराली जलाने जैसा कोई मौसमी कारण नहीं है, फिर भी प्रदूषण का स्तर खतरनाक बना हुआ है।

आईएमए की गौरवशाली परंपराः भारतीय सेना को मिले 491 युवा अफसर

-34 मित्रों देशों सहित कुल 525 कैडेट हुए पास आउट

एजेंसी

उदेहरादून : भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में 157 वीं पासिंग आउट (पीओपी) परेड के बाद शनिवार को 491 जैंटलमैन कैडेट बतौर अफसर भारतीय सेना का हिस्सा बन गए। साथ ही मित्र देशों के 34 कैडेट भी पास आउट होकर अपने-अपने देशों की सेना का हिस्सा बने। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बतौर रिव्यूइंग अफसर परेड की सलामी ली। इस दौरान देशभक्ति के गीतों पर इन वीरों की कदमताल देखते ही बन रही थी। आज अकादमी उस ऐतिहासिक पल का गवाह बना,जब 491 भारतीय और 14 मित्र देशों के 34 कैडेट सहित कुल 525 कैडेट ने जोश के साथ कदमताल करते

हुए एक नई जिम्मेदारी की तरफ कदम बढ़ाए। आईएमए के ऐतिहासिक चेटवुड भवन के सामने ड्रिल स्क्वायर पर परेड सुबह 09 बजकर 05 मिनट पर परेड शुरू हुई। कदम से कदम मिलाकर भावी अफसर परेड कमांडर अंकित चौधरी की अगुवाई में परेड मैदान पहुंचे। समीक्षा अधिकारी उपेंद्र द्विवेदी ने सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया। यहां विजय धुन पर कदमताल की। मुख्य अतिथि ने कैडेटों को ओवरऑल बेस्ट परफॉर्मेंस व अन्य उत्कृष्ट सम्मान से नवाजा। देश के भावी सैन्य अफसरों ने जब सैन्य अकादमी में अंतिम पग भरा तो इस दौरान उन पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा भी की गई। थल सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने परेड की समीक्षा की और नव-नियुक्त अधिकारियों को प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर बधाई देते हुए कहा कि युवा अधिकारियों के उच्च स्तर के अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सहनशक्ति की प्रशंसा की। उन्होंने उन्हें भारतीय सेना की गौरवशाली परंपरा के निर्वहन और निष्ठा, प्रतिबद्धता और सम्मान के साथ राष्ट्र सेवा करने का आह्वान किया। इस मौके उन्होंने कहा कि सेना में कमीशन प्राप्त करना केवल प्रशिक्षण की समाप्ति नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति आजीवन कर्तव्य और निःस्वार्थ सेवा की शुरूआत है। यह न केवल भारत के रक्षा नेतृत्व को सुदृढ़ करती है बल्कि मित्र देशों के साथ दीर्घकालिक सैन्य सहयोग को भी सशक्त बनाती है। 157वें रेगुलर कोर्स, 46वें टेक्निकल एंट्री स्कीम, 140वें टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्स, 55वें स्पेशल कमीशंड ऑफिसर्स कोर्स और टेरिटोरियल आर्मी ऑनलाइन एंट्रेंस एग्जाम 2023 कोर्स के कुल 525 अधिकारी कैडेट्स के साथ-साथ 14 मित्र राष्ट्रों के 34 विदेशी अधिकारी कैडेट्स को कमीशन प्रदान किया गया।

रायसेन में आज प्रभारी मंत्री करेंगे जैविक हाट बाजार का शुभारंभ

- जैविक अनाज, सब्जी, दाल, कंद, बिनौला घी सहित अन्य उत्पाद रहेंगे उपलब्ध

एजेंसी

रायसेन : मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में जैविक खेती को बढ़ावा देने और किसानों को प्रोत्साहित करने के साथ ही जैविक खेती के उत्पादों के विक्रय के उद्देश्य से कार्यालय सहायक भूमि संरक्षण अधिकारी सागर रोड में आज शनिवार को जैविक हाट बाजार का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश के मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग तथा जिले के प्रभारी मंत्री नारायण सिंह पंवार प्रातः 11 बजे इस जैविक हाट बाजार का शुभारंभ करेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी अनुभा सिंह ने बताया कि इस विक्रय केन्द्र में जैविक कृषि उत्पाद जैसे अनाज, दालें, तेल, मसाले आदि का प्रतिदिन विक्रय किया जाएगा। इसके साथ ही इस हाट बाजार में जिले में जैविक खेती करने वाले किसानों की जानकारी भी सांझा की जाएगी, जिससे कि नागरिक अपनी आवश्यकतानुसार जैविक उत्पाद सीधे किसानों से क्रय कर सकेंगे। यह हाट बाजार किसानों में जैविक खेती के बारे में जागरूकता लाने के साथ ही उपज का उचित मूल्य दिलाने में आधारशिला साबित होगा। जिले में जैविक खेती करने वाले किसान भाई अपने उत्पाद विक्रय करने एवं जैविक उत्पाद खरीदने के इच्छुक व्यक्ति रायसेन में सागर रोड स्थित कार्यालय सहायक भूमि संरक्षण अधिकारी सागर रोड के जैविक हाट बाजार में सम्पर्क कर सकते हैं। जैविक उत्पाद विक्रय केन्द्र पर मिलेंगे यह उत्पाद जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, इस जैविक उत्पाद विक्रय केन्द्र पर विक्रय हेतु अनाज, दाल, तेल, सब्जियां, फल, घी आदि उत्पाद नागरिकों के लिये उपलब्ध रहेंगे। अनाज में गेंहू, चावल (बासमती), चावल (सादा), ज्वार, बाजरा, कोदो, कुटकी, सांवा, मक्का तथा दाल में अरहर, मूंग, उडद, मसूर, बटरी एवं तेल में सोयाबीन, सरसों, मूंगफली और सब्जी में आलू, मिर्च, लौकी, बरबटी, भिण्डी, गोभी, टमाटर, सेम, गंवार फल्ली, गिलकी, मूली, कद्दू, टिण्डे, मुनगा (सहजन) आदि उपलब्ध रहेगी।

ऑनलाइन मुनाफे का सपना दिखाकर सेब बागवान से 36 लाख की ठगी

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश में साइबर ठगों ने इस बार सेब बहुल इलाके के एक बागवान को निशाना बनाया। ऑनलाइन ट्रेडिंग और आईपीओ में भारी मुनाफे का लालच देकर ठगों ने उससे किश्तों में करीब 36 लाख रुपये ऐंठ लिए। मामला सामने आने के बाद साइबर पुलिस ने लोगों को ऐसे फोन कॉल और ऐप से सावधान रहने की कड़ी अपील की है। पीड़ित ने इस संबंध में शिमला स्थित साइबर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायत के अनुसार पीड़ित के मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को ह्यइंडनिव प्रोह्व

नामक कंपनी का प्रतिनिधि बताया और ऑनलाइन ट्रेडिंग के जरिए कम समय में बड़े मुनाफे का दावा किया। बातों में आकर पीड़ित ने कॉलर के कहने पर इंडनिव प्रो नाम का एक ऐप अपने मोबाइल में डाउनलोड कर लिया।

इसके बाद ठगों ने ट्रेडिंग शुरू करने के नाम पर पहले 15 हजार रुपये जमा करवाए। कुछ समय बाद पीड़ित को एक कथित आईपीओ में निवेश करने का झांसा दिया गया। फोन पर लगातार निर्देश देते हुए उससे अलग-अलग किश्तों में लगभग 14 लाख रुपये निवेश करवा लिए गए। जब पीड़ित को भरोसा हो गया कि उसे मुनाफा मिलेगा, तो ठगों ने ह्यसर्विस चार्जह्व के नाम पर 10 लाख रुपये और मांगे, जिसे उसने जमा भी करवा दिया।

इतना ही नहीं इसके बाद ठगों ने यह कहकर फिर से पैसे ऐंठे कि सर्वर की समस्या के कारण रकम गलत खाते में चली गई है और उसे ठीक करने के लिए दोबारा 10 लाख रुपये भेजने होंगे। पीड़ित ने यह राशि भी भेज दी। बाद में ठगों ने 30 प्रतिशत ह्यप्रोसेसिंग चार्जह्व के नाम पर और पैसे की मांग शुरू कर दी। इसी दौरान पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ और उसने पुलिस का रुख किया।

जांच में सामने आया कि इस पूरे मामले में पीड़ित से कुल मिलाकर करीब 36 लाख रुपये की साइबर ठगी की गई है। साइबर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और ठगों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है।लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों को देखते हुए साइबर पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। पुलिस का कहना है कि किसी भी अनजान कॉल पर भरोसा न करें, खासकर जब ऑनलाइन ट्रेडिंग, निवेश योजना या आईपीओ में निवेश का लालच दिया जाए। अज्ञात ऐप या लिंक डाउनलोड करने से बचें और किसी अनजाने प्लेटफॉर्म पर पैसे न भेजें। निवेश से पहले संबंधित कंपनी की जानकारी सेबी या आधिकारिक वेबसाइट पर जरूर जांचें। किसी को भी बैंक विवरण, ओटीपी या पासवर्ड साझा न करें। पुलिस के एक अधिकारी ने यह भी बताया कि हाल ही में 42 लाख रुपये की एक और साइबर ठगी का मामला सामने आया था, जिसमें फेसबुक विज्ञापन के जरिए निवेश का झांसा देकर एक व्यक्ति को ठगा गया। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 या वेबसाइट www.cybercrime.gov.in पर देने की अपील की गई है।

न्यूज IN ब्रीफ

मंदिर चढ़ावे के गबन का आरोप, मंदिर भंडारी पर एफआईआर

शिमला : हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के ठियोग पुलिस थाना में माता महेश्वरी मंदिर के चढ़ावे की रकम गबन किए जाने का मामला दर्ज किया गया है। यह शिकायत ठियोग के मतियाना निवासी पूर्ण चंद ने दर्ज करवाई है। शिकायत के अनुसार माता महेश्वरी का मंदिर शरी में स्थित है। नवरात्रों के दौरान परंपरा के अनुसार माता की मूर्ति को श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए मंदिर से बाहर देवरा में रखा जाता है। इस वर्ष माता की मूर्ति 22 सितंबर 2025 से 1 अक्टूबर 2025 तक देवरा में रखी गई थी। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन किए और चढ़ावे के रूप में नकद राशि भेंट की। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि मंदिर के साथ भंडारी भी रहता है, जो चढ़ावे की राशि का हिसाब-किताब रखने और उसे सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी निभाता है। भंडारी मंदिर समिति का भी एक हिस्सा होता है। नवरात्रों के दौरान माता को करीब तीन लाख रुपये का नकद चढ़ावा चढ़ाया गया था। आरोप है कि भंडारी कृष्ण लाल निवासी ठियोग ने यह नकद राशि अब तक मंदिर के बैंक खाते में जमा नहीं करवाई। इस पर संदेह होने के बाद शिकायतकर्ता ने मामले की सूचना पुलिस को दी। ठियोग पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(2), 316(4) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि मामले की जांच की जा रही है और तथ्यों की पड़ताल के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संसद पर हमले की बरसी: ओम बिरला ने साहसी सुरक्षाकर्मियों और कर्मठ कर्मचारियों के सर्वोच्च बलिदान को किया नमन

नई दिल्ली : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद भवन पर आतंकी हमले की बरसी पर शनिवार को उन साहसी सुरक्षाकर्मियों और कर्मठ कर्मचारियों के सर्वोच्च बलिदान को कोटि-कोटि नमन किया, जिन्होंने कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राण न्योछावर कर दिए। १३ दिसंबर २००१ को जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैय्यबा के पांच आतंकियों ने संसद भवन पर हमला कर दिया लेकिन भारतीय सुरक्षाकर्मियों ने जान की बाजी लगाकर न केवल इन आतंकियों के मंसूबों को नाकाम किया बल्कि सभी को मार गिराया। इस दौरान दिल्ली पुलिस के पांच जवान, एक महिला कांस्टेबल और दो सुरक्षा गार्डों ने बलिदान दिया। ओम बिरला ने एक्स पर कहा, ₹लोकतंत्र की इस सर्वोच्च संस्था की रक्षा करते हुए जिन्होंने अपने प्राण न्योछावर कर दिए, उनके प्रति हम कृतज्ञ हैं। देश के प्रति उनकी अद्वितीय निष्ठा हमें निरंतर प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि उन अमर वीरों ने जिस वीरता से आतंकवादियों का सामना किया, वह कर्तव्य पालन के साथ लोकतांत्रिक मूल्यों व राष्ट्र रक्षा के प्रति भारत की अदम्य इच्छाशक्ति का प्रतीक है। भारत आतंकवाद के विरोध में हमेशा दृढ़ता से खड़ा रहा है। यह अतुलनीय बलिदान हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए साहस, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा का प्रेरणास्रोत बना रहेगा।

भाजपा विधायक अग्निमित्र पाल ने फिर शुरू किया जनसंपर्क अभियान

आसनसोल : आसनसोल दक्षिण की भाजपा विधायक अग्निमित्र पाल एक बार फिर जनसंपर्क अभियान में जुट गई हैं। इसी क्रम में वह शुक्रवार की शाम शांति नगर जोड़ा शिव मंदिर में आयोजित भागवत पाठ तथा जगराता कार्यक्रम में पहुंचीं। आयोजन में समाजसेवी कृष्ण प्रसाद भी शामिल हुए। इसके पूर्व अग्निमित्र पाल ने वार्ड संख्या 106 में कैरम बोर्ड वितरण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने स्थानीय युवाओं को कैरम बोर्ड दिया। उसके पश्चात वार्ड संख्या 81 में जनसंपर्क अभियान में शामिल हुई। वार्ड में इलाके की समस्याओं को सुना तथा तथा उनकी समस्याओं का यथासंभव शीघ्र समाधान का आश्वासन भी दिया।

14 पंचायतों और शहरी निकायों में नशा निवारण समितियां अधिसूचित,स्कूल के प्रमुख होंगे अध्यक्ष

हमीरपुर : नशे पर नियंत्रण करने हेतु स्थानीय निकाय स्तर पर प्रभावी प्रबंध करने के लिए प्रदेश सरकार के निर्णय अनुसार जिला हमीरपुर में भी पहले चरण में तीन शहरी निकायों-नगर निगम हमीरपुर, नगर परिषद सुजानपुर और नादौन, 11 ग्राम पंचायतों-बणी, टिप्पर, बढेड़ा, जोल सप्पड़, मण, फाहल, कड़ोहता, लगमनवीं, भोरंज, भौंखर और धमरोल में नशा निवारण समितियों का गठन कर लिया गया है। इस संबंध में आदेश जारी करते हुए उपायुक्त अमरजीत सिंह ने बताया कि अभी जिला में नशे से सबसे ज्यादा प्रभावित शहरी निकायों एवं ग्राम पंचायतों में नशा निवारण समितियों का गठन किया गया है। इन समितियों में संबंधित क्षेत्र के स्कूल के प्रधानाचार्य या मुख्यध्यापक को अध्यक्ष और उसी क्षेत्र के थाना या चौकी के पुलिस कर्मचारी को सदस्य सचिव बनाया गया है। इनमें संबंधित शहरी निकाय के कार्यकारी अधिकारी, ग्राम पंचायत के सचिव या पंचायत सहायक, पटवारी, आशा वर्कर, महिला मंडल या युवक मंडल के प्रतिनिधि, समाजसेवी, वरिष्ठ नागरिक या अन्य वॉलटियरों को सदस्यों के रूप में शामिल किया गया है। उपायुक्त ने सभी 14 अधिसूचित नशा निवारण समितियों को 15 दिसंबर को पहली बैठक आयोजित करने तथा इनकी कार्यवाही रिपोर्ट प्रेषित करने के निर्देश दिए हैं। ये समितियां हर महीने बैठक आयोजित करके रिपोर्ट प्रेषित करेंगी। इन समितियों के मुख्य कार्यों में, क्षेत्र में नशे की स्थिति पर नजर रखना, किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत पुलिस को सूचित करना, जागरुकता गतिविधियां आयोजित करना और नशे की समस्या के निवारण के लिए पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, आबकारी विभाग तथा शिक्षा विभाग के साथ समन्वय स्थापित करना इत्यादि शामिल किए गए हैं। जिला के पुलिस अधीक्षक हर तिमाही के बाद इन समितियों के कार्यों की समीक्षा करेंगे और इसकी रिपोर्ट गृह विभाग को प्रेषित करेंगे।

मां जानकी धाम के संस्थापक राजेश गुरनानी ने ली भाजपा की सदस्यता

कटिहार : बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार के सहिष्णु सुझाव उपरांत मां जानकी धाम के संस्थापक राजेश गुरनानी ने शनिवार को पटना स्थित उनके आवास पर विधिवत सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर भाजपा युवा जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह प्रिंस, राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य तल्लू बासुकी, अल्पसंख्यक जिला महामंत्री मो नसीम, नगर उपाध्यक्ष दीपक गुप्ता, शशिकांत कुमार, मनोज चौधरी एवं शेखर जी भी उपस्थित रहे। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार ने मौके पर कहा कि राजेश गुरनानी के भाजपा में आने से आम जनो के उत्थान में तेजी आयेगी। उन्होंने कहा कि जब मैं नगर विकास मंत्री था तब इनकी टीम ने वेंडिंग एक्ट के निर्माण एवं अनुपालन में सराहनीय भूमिका निभाई। कटिहार के साथ साथ बिहार के कामगारों को भी इनके द्वारा सरकार की नीतियों से लाभान्वित किया जाएगा। मां जानकी धाम अखाड़ा सह तीर्थ क्षेत्र कटिहार के निर्माण से अध्यात्म तथा स्वालंबन पर बिहार आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेगा। इस अवसर पर राजेश गुरनानी ने सबों का हृदय से आभार जताया और कहा कि जल्द ही कटिहार में भव्य समारोह आयोजित कर बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार का अभिनंदन किया जाएगा।

न्यूज IN ब्रीफ

विशेष मध्यस्थ अभियान तहत साहिबगंज से 21 एवं राजमहल से 6 मामले का निपटारा

साहिबगंज : झालसा के निदेर्शानुसार, संजय कुमार उपाध्याय प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय साहिबगंज के मार्गदर्शन में 8 दिसंबर से 12 दिसंबर तक पारिवारिक मामले से संबंधित विशेष मध्यस्थ अभियान स्पेशल ड्राइव का आयोजन जिला व्यवहार न्यायालय परिषर साहिबगंज एडिशनल प्रधान न्यायाधीश राजमहल के मार्गदर्शन में अनुमडलीय न्यायालय राजमहल में आयोजित किया गया है।पांच दिनों तक चलने वाले स्पेशल ड्राइव विशेष मध्यस्थ अभियान में कुटुंब न्यायालय साहिबगंज से 35 मामले को भेजा । जिसमें 21 मामले सफल हुए वही अनुमंडल न्यायालय राजमहल से 22 मामला भेजा गया था जिसमें मात्र 06 मामले सफल हुए।उक्त बातों की जानकारी कुटुंब न्यायालय साहिबगंज के पेशकार ओंकार नाथ मिश्रा ने दी है।उक्त मौके पर मेडिएटर एवं कुटुंब न्यायालय के पेशकार ओंकार नाथ मिश्रा एवं स्टाफ गण उपस्थित थे।

लंदन में सम्मानित हुए भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव

साहिबगंज : झारखंड के साथ साथ साहिबगंज जिला के लिए गर्व का क्षण है।कि भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव को लंदन में आयोजित प्रतिष्ठित जी लीडर्स समिट में सम्मानित किया गया है।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिला यह सम्मान उनके सामाजिक कार्य नेतृत्व क्षमता और उत्कृष्ट योगदान की आधिकारिक सराहना है।समिट में विश्वभर के उभरते नेताओं और सामाजिक कार्यकताओं को सम्मानित किया। जिनमें बजरंगी प्रसाद यादव ने अपनी सक्रिय भूमिका और उल्लेखनीय पहल के दम पर खास पहचान बनाई।उनके सम्मान की खबर मिलते ही झारखंड में खुशी की लहर दौड़ गई।लोगों ने सोशल मीडिया पर बधाइयों की झड़ी लगा दी और इसे राज्य के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।स्थानीय समाजसेवियों युवाओं और राजनीतिक कार्यकताओं ने भी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर मिला यह सम्मान झारखंड की प्रतिष्ठा को एक नई ऊंचाई प्रदान करता है।वही बजरंगी प्रसाद यादव ने सम्मान को राज्य और संगठन को समर्पित करते हुए कहा कि यह प्रेरणा उन्हें सामाजिक कार्यों को और मजबूती से आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित करती है।

झारखण्ड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

देवघर : शुक्रवार को झारखण्ड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान का देवघर एयरपोर्ट पर आगमन हुआ, जिसके पश्चात प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कौशल किशोर झा, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा एवं पुलिस अधीक्षक सौरभ ने बुके देकर माननीय मुख्य न्यायाधीश का स्वागत किया। इसके अलावा एयरपोर्ट में सार्जेंट मेजर व पुलिस के जवानों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

झारखण्ड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने बाबा बैद्यनाथ मंदिर में किया श्रृंगार पूजन

देवघर : शुक्रवार को झारखण्ड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान ने सपरिवार बाबा बैद्यनाथ का श्रृंगार-पूजन और दर्शन कर बाबा का आशीर्वाद लिया। मौके पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कौशल किशोर झा, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा, पुलिस अधीक्षक सौरभ व संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

हड्डी से जुड़ी सर्जरी के लिए सदर में बनेगा अगल ओटी

धनबाद : सदर अस्पताल में हड्डी रोग विभाग (ऑथोर्पेडिक) के लिए जल्द ही अलग ऑपरेशन थिएटर (ओटी) की सुविधा होगी। अस्पताल प्रबंधन इसकी तैयारी में जुटा है। अभी तक सदर अस्पताल में आथोर्पेडिक का अपना ओटी नहीं होने के कारण सर्जरी प्रभावित होती रही है। माइनर सर्जरी अन्य विभागों के ओटी में की जाती है। मेजर सर्जरी के लिए मरीजों को धनबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर करना पड़ता है। अस्पताल अधिकारियों के अनुसार नए ऑर्थो ओटी के संचालन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण उपकरण सी-आर्म मशीन और वर्क स्टेशन एचडीएफसी बैंक द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इन दोनों आधुनिक उपकरणों के आने के बाद अलग ओटी को शुरू करने की प्रक्रिया और तेज हो जाएगी।

सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार प्रसाद ने बताया कि यदि सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी हो गईं तो नए साल में हड्डी रोग विभाग का अपना ऑपरेशन थिएटर शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अलग ऑर्थो ओटी बनने से मरीजों को काफी सहूलियत होगी और सर्जरी समय पर हो सकेगी। इससे रेफरल कम होगा और गंभीर मरीजों को तुरंत उपचार मिल सकेगा। अस्पताल प्रबंधन का मानना है कि अलग ओटी की सुविधा शुरू होने से हड्डी रोग विभाग की कार्यक्षमता में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी होगी। इससे न सिर्फ जिला अस्पताल की चिकित्सा सेवाएं मजबूत होंगी बल्कि मरीजों को भी बेहतर उपचार और राहत मिल सकेगी।

गया-धनबाद के बीच 150 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से दौड़ी ट्रेन

धनबाद : धनबाद रेल मंडल के गया-धनबाद सेक्शन में बंधुआ-कोडरमा-धनबाद रेलखंड में शुक्रवार को 150 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से ट्रेन दौड़ी। इतनी गति के बावजूद पानी से भरा ग्लास स्थिर रहा। पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह की अगुवाई में यह स्पीड ट्रायल कराया गया। जीएम जोन के रेल अधिकारियों के साथ शुक्रवार की दोपहर करीब डेढ़ बजे स्पेशल ट्रेन से धनबाद पहुंचे।

कृषि विभाग की आयोजित समीक्षा बैठक संपन्न

उप विकास आयुक्त ने शेड निर्माण तथा परिसंपत्तियों के वितरण की प्रगति जानी

संवाददाता

दुमका : समाहरणालय के सभागार कक्ष में शुक्रवार को जिले के उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान की अध्यक्षता में कृषि विभाग की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि, उद्यान, आत्मा, पशुपालन, मत्स्य तथा भूमि संरक्षण से जुड़े सभी कार्यक्रमों की अद्यतन स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

उप विकास आयुक्त ने किसानों को अधिकतम लाभ पहुंचाने हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया। उन्होंने सभी योजनाओं एवं गतिविधियों के लिए विभागीय कैलेंडर तैयार करने का निर्देश दिया। सॉयल टेस्टिंग कार्य में तेजी लाते हुए ब्लॉक स्तर पर सैंपल संग्रहण सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में यह भी बताया गया कि झारखंड कृषि ऋण माफी योजना के अंतर्गत प्राप्त लक्ष्य को पूर्ण कर लिया गया है।

आत्मा परियोजना की समीक्षा के दौरान

उन्होंने बीज वितरण, किसानों के प्रशिक्षण एवं एक्सपोजर विज़िट की रूपरेखा शीघ्र तैयार करने का निर्देश दिया। उद्यान विभाग की समीक्षा के दौरान उप विकास आयुक्त ने जेएसएलपीएस के साथ समन्वय स्थापित करते हुए स्ट्रॉबेरी, अदरक, हल्दी सहित फूल एवं सब्जी की खेती के लिए लाभुकों के चयन की प्रक्रिया तेज करने का निर्देश दिया।

पशुपालन विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने शेड निर्माण तथा परिसंपत्तियों के वितरण की प्रगति जानी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि लक्ष्य के अनुरूप लाभुकों का चयन कर परिसंपत्तियों का वितरण समयबद्ध ढंग से करें। लाभुकों को उनका अंशदान जमा कराने तथा योजना से जोड़ने में तेजी लाने को कहा। अंशदान जमा न करने की स्थिति में नियमानुसार अन्य पात्र लाभुकों का चयन करने की बात कही।

मत्स्य विभाग के संदर्भ में उन्होंने केज कल्चर के माध्यम से मछली पालन में अधिक से अधिक लाभुकों को जोड़ने का निर्देश दिया। साथ ही बीज वितरण कार्य में तेजी लाने एवं कॉपरेटिव सोसाइटी में शामिल करने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण हेतु लाभुकों का चयन सुनिश्चित करने को कहा। भूमि संरक्षण विभाग की समीक्षा के दौरान विभिन्न परिसंपत्तियों के वितरण की जानकारी ली गई। उप विकास आयुक्त ने लक्ष्य के अनुरूप हैंड पंप, मिनी ट्रैक्टर, सोलर पंप आदि के लिए लाभुकों के चयन की प्रक्रिया समय पर पूरी करने का निर्देश दिया।

बैठक में सभी विभागों को कार्यों में गति लाने तथा लाभुकों तक योजनाओं का वास्तविक लाभ समयबद्ध तरीके से पहुंचाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय में जेंडर आधारित हिंसा पर त्रिदिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

संवाददाता

दुमका : सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय के मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल में 10 से 12 दिसम्बर 2025 तक आंतरिक परिवाद समिति द्वारा ह्लिंग आधारित हिंसाह्व विषय पर त्रिदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता समिति की अध्यक्षा डॉ। निर्मला त्रिपाठी ने की।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र गुरुवार को डॉ। त्रिपाठी ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि पुरुषों एवं महिलाओं की समान भागीदारी से ही एक स्वस्थ एवं संवेदनशील समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने लिंग आधारित हिंसा की रोकथाम के लिए जागरूकता बढ़ाने तथा संविधान द्वारा प्रदत्त नियमों के सख्त अनुपालन की आवश्यकता पर बल दिया। उक्त सत्र में एस। पी। कॉलेज के अंग्रेजी विभाग के प्राध्यापक डॉ। सनोज स्टीफन हेंब्रम ने अपने वक्तव्य में कहा कि लिंग आधारित हिंसा की शिकार अधिकांशतः महिलाएँ होती हैं, इसलिए महिलाओं में जागरूकता फैलाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने इस विषय पर एक वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से हिंसा के विभिन्न रूपों को समझाने का प्रयास किया। साथ ही, दिल्ली आईआईटी की रिसर्च स्कॉलर सुश्री अंगना दास ने महिलाओं पर हो रहे लिंग आधारित दुर्व्यवहार पर विस्तार से प्रकाश डाला।

डॉ। अजय सिन्हा ने जेंडर हिंसा से संबंधित विभिन्न कानूनों, उनके प्रावधानों एवं प्रासंगिक कोर्ट केसों की विस्तृत जानकारी दी। इतिहास विभाग की प्राध्यापिका अमिता कुमारी ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम से संबंधित 2013 के कानून पर चर्चा करते हुए संस्थाओं में आंतरिक परिवाद समिति के गठन, शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया तथा जांच के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

कार्यशाला का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। तीन दिनों तक चले इस कार्यक्रम ने जेंडर समानता एवं हिंसा के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बंद पड़े बैंक खातों की जमा पूंजी हकदारों को सुपूर्द

संवाददाता

कोडरमा : आपकी पूंजी, आपका अधिकार इसके तहत 10 वर्षों से बंद पड़े बैंक खातों में जमा पूंजी को उनके हकदारों के सुपूर्द किया जा रहा है। इस योजना के तहत शुक्रवार को कोडरमा के झुमरी तिलैया स्थित शिव वाटिका में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि के साथ अन्य बैंकों के भी अधिकारी शामिल हुए।

बैंकों की ओर से लगाए गए थे स्टॉल : इस मौके पर अलग-अलग बैंकों की ओर से स्टॉल भी लगाए गए थे। जहां बंद पड़े बैंक खातों के हकदार अपना हक पाने और अपने बंद पड़े खातों से जुड़ी जानकारी के लिए उपस्थित हुए। जिन लोगों ने अपने पूर्वजों के नाम से बंद पड़े बैंक खातों को पुनर्जीवित करने और उसमें जमा पूंजी का हक पाने के लिए आवेदन किया था उनमें से कई आवेदनों के निस्तारण के बाद उन हकदारों के बीच बैंकों में जमा पूंजी का क्लेम सेटेलमेंट करते हुए लाभुकों के बीच प्रमाण पत्र का भी वितरण किया गया।

तकरीबन ढाई करोड़ का क्लेम सेटेलमेंट : इस मौके पर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि संतोष कुमार सिन्हा ने बताया कि कोडरमा जिले में 90,000 बैंक खाते इनएक्टिव हैं और उनमें तकरीबन 33 करोड़ रुपये जमा हैं। उन्होंने बताया कि आज के कार्यक्रम के माध्यम से खाताधारको के असली हकदारों के बीच तकरीबन ढाई करोड़ रुपये का क्लेम सेटेलमेंट करते हुए उन हकदारों के बीच राशि हस्तांतरण का प्रमाण पत्र का वितरण किया गया।

लाभुकों ने जाहिर की खुशी : वहीं दूसरी तरफ क्लेम सेटेलमेंट के बाद लाभुकों ने खुशी जाहिर की।

शहर के सर्वे के दौरान निगम के दो ड्रोन आसमान से लापता

धनबाद : शहर की विकास योजनाओं को लेकर नगर विकास विभाग ने धनबाद नगर निगम ने एरियल सर्वे कराकर उसका फोटो-वीडियो भेजने का निर्देश दिया था। इसी निर्देश पर नगर निगम के इंजीनियरिंग विभाग ने दो ड्रोन मंगवाकर शहर का एरियल सर्वे शुरू कराया। शहर की तस्वीर खींचने के लिए ऊपर उड़ा ड्रोन आसमान से ही लापता हो गया। नगर निगम के इंजीनियर दिनभर ड्रोन को ढूंढ़ने में परेशान रहे। शुक्रवार को दिन के 11 बजे प्रभातम मॉल के पास से एक ड्रोन उड़ाया गया। थोड़ा ऊंचा जाकर वह तस्वीर फोटो खींच रहा था लेकिन अचानक वह ऊपर से ही दिशा भटकते हुए दूर जाकर नजरों से ओझल हो गया।नगर निगम के इंजीनियर उसे ढूंढ़ने के लिए प्रभातम मॉल के पीछे के मोहल्ले में पहुंचे लेकिन ड्रोन नहीं मिल पाया। संभवतः ड्रोन की बैटरी डाउन हो गई और वह रिमोट के रडार से बाहर हो गया। नगर निगम का दूसरा ड्रोन लोयाबाद में उड़ाया गया। वहां भी ऊंचाई पर पहुंचने के कुछ देर बाद ही वह ड्रोन भी लापता हो गया। लोयाबाद और आसपास कोलियरी इलाके में इसके गिरने की सूचना पर नगर निगम की टीम दिनभर ड्रोन को ढूंढ़ने में परेशान रही।

जंगल में हो रही थी अफीम की खेती, ड्रोन से पकड़ी गई, पुलिस ने किया नष्ट

संवाददाता

पलामू : अफीम की खेती के खिलाफ पलामू पुलिस आधुनिक तकनीक का भी सहारा ले रही है। पलामू के मनातू थाना क्षेत्र के अपटी जंगल में ड्रोन के माध्यम से अफीम की खेती पकड़ी गई है। जिसके बाद पुलिस और वन विभाग की टीम ने उसे नष्ट किया है। बुधवार को पलामू के मनातू थाना क्षेत्र में पुलिस और वन विभाग के द्वारा अफीम की खेती के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा था।

वन विभाग और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

अभियान के क्रम में ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। ड्रोन के माध्यम से करीब 5 एकड़ में लगी अफीम की खेती चिन्हित की गई थी। इलाका चिन्हित होने के बाद पुलिस और वन विभाग की टीम ने अफीम की खेती को नष्ट कर दिया। अफीम की खेती के लिए माफिया वन भूमि का इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस ने खेती में शामिल लोगों को चिन्हित करने का कार्य शुरू कर दिया है और उनके खिलाफ एफआईआर की प्रक्रिया शुरू की गई है।

मनातू थाना प्रभारी ने की पुष्टि

इस संबंध में मनातू के थाना प्रभारी निर्मल उरांव ने बताया कि ड्रोन के माध्यम से अफीम की खेती को चिन्हित की गई थी और उसे नष्ट किया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि अफीम की खेती करने वालों के खिलाफ कड़ी चेतावनी भी जारी की गई है। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, 2024 और 2025 की शुरूआती महीने में पूर्व में भी पलामू के मनातू के इलाके में सबसे अधिक अफीम की खेती नष्ट की गई थी। 2025 के अंतिम महीने में अब तक लगभग 10 एकड़ भूमि पर लगी अफीम की खेती नष्ट की गई है।

डालसा ने वर्ल्ड हेल्थ कवरेज डे के अवसर पर युवाओं को किया जागरूक

संवाददाता

चाईबासा : नालसा दिल्ली एवं झालसा रांची के निदेर्शानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डी एल एस ए चाईबासा मोहम्मद शाकिर के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा के तत्वाधान में स्थानीय टाटा स्टील मल्टी स्किल सेंटर में विश्व स्वास्थ्य कवरेज डे के मौके पर एक दिवसीय विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया

इस मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए सचिव रवि चौधरी ने उपस्थित छात्राओं को बताया कि

स्वस्थ रहना और समाज को भी स्वस्थ रखना हम सभी की जिम्मेदारी है, हमें इस बात का ध्यान रखना आवश्यक है कि हमारा अपने समाज, राज्य और राष्ट्र के प्रति भी दायित्व है, जिसका हमें निर्वहन करना चाहिए, आज विभिन्न माध्यमों से हमे निरंतर सजग किया जाता है, फिर भी हम दैनिक जीवन की व्यस्तताओं में अपने स्वास्थ्य सुरक्षा की अनदेखी कर देते हैं, कई बार हमें सरकार के द्वारा प्रदत्त कई उपचार

सुविधाओं की भी जानकारी नहीं होती हैं, जिससे हम इन स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं में उलझते जाते हैं, नालसा झालसा और डालसा का यह प्रयास है कि सभी लोग निरोगी हों, स्वस्थ रहें और अच्छी जिंदगी जीएं। यह तभी संभव होगा जब आप युवा वर्ग इस अभियान मे शामिल हों।

मौके पर उप सिविल सर्जन डॉक्टर शिवचरण हांसदा ने विषय पर विशेष रूप से विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि हमारा क्षेत्र शैक्षिक रूप से बहुत अग्रसर होते हुए भी कई परंपराओं और रूढ़िवादी अभ्यास के कारण स्वास्थ्य संबंधी मामलों में लापरवाही बरत कर सही उपचार से वंचित रह जाते हैं, हमें अंधविश्वास छोड़कर अपने स्वास्थ्य के प्रति गंभीर रहना चाहिए; उन्होंने बताया कि

जिले में हाइपरटेंशन और डायबिटीज के प्रति लोगों की उदासीनता ही लोगों को खतरे में डालती है, इन बीमारीयों का यदि समय रहते हैं रोकथाम के उपाय न किए जाने पर यह जानलेवा भी हो सकती है, हमें इस बात को थोड़ा ध्यान रखना चाहिए कि हमारा जीवन हमारे दैनिक दिनचर्या और खानपान पर अत्यधिक निर्भर करता है, इसे हम अपने स्वभाव और व्यावहार में परिवर्तन लाकर एक आदर्श जीवन के रूप में बदल सकते हैं, हमें अपने शारीरिक परिवर्तन के प्रति सजग रहना चाहिए, सरकार के द्वारा पंचायत से लेकर जिले स्तर में भी स्वास्थ्य उपचार केंद्र उपलब्ध है जहां पर लोगों को चिकित्सकों के द्वारा उपचार प्रदान किए जाते हैं,

इस अवसर पर रोटरी क्लब चाईबासा के अनिल शर्मा ने भी स्वस्थ रहने के गुर सिखाए, मंच का संचालन विकास दोदराजका ने और धन्यवाद ज्ञापन टाटा स्टील फाउंडेशन चाईबासा के निदेशक शंखनील बसु ने किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने कई सवाल भी पूछे जिनका समुचित उत्तर विषय विशेषज्ञों ने देकर उनकी जिज्ञासा को शांत किया।कार्यक्रम को सफल बनाने में टाटा स्टील फाउंडेशन के राजीव कुमार, रोशनी झा, गुरुस्वामी, बेस बीरुली, विक्रम कुमार ने प्रशंसनीय सहयोग किया।इस मौके पर अधिकार मित्र सोमा बोस, असीमा चटर्जी, नीतू सार, सदर अस्पताल के ओम प्रकाश सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित थे।